page 1 and 8 June 5_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/5/2026 12:57 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 सरकार ने जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों के लिए वृक्ष प्राधिकरणों का किया पुनर्गठन

5 कमिंस अगले 12 महीने में आस्ट्रेलियाई टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे

8 नशे के खिलाफ एकजुट- लोगों ने निकाली जागरूकता रैली

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-136 | जम्मू तवी, शुक्रवार 05 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मिलेगी नई पहचान : मोदी

नई दिल्ली, 04 जून । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ करते हुए कहा कि योग मानवता के लिए भारत का शाश्वत उपहार है, जो मन, शरीर और आत्मा को एकाकार कर अधिक स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण विश्व की प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि अहमदाबाद की धरती से विश्व खेल जगत के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने चैंपियनशिप में भाग लेने आए विभिन्न देशों के खिलाड़ियों का भारत में स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि अहमदाबाद एक यूनेस्को विश्व धरोहर शहर है और इस ऐतिहासिक नगर में इस वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। मोदी ने कहा कि कुछ दिनों बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा, जिसका मुख्य आयोजन इस वर्ष कोलकाता में होगा।

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि लगभग एक दशक पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, जिसे 190 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। भारत का उद्देश्य अपनी प्राचीन परंपरा को मानवता के स्वास्थ्य और सामूहिक कल्याण से जोड़ना था। मोदी ने कहा कि विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप के माध्यम से योगासन को एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में योगासन अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भी अपना स्थान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि हर बड़े खेल के साथ एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होता है, जिससे रोजगार और करियर के नए अवसर पैदा होते हैं। योगासन खेल के विस्तार से खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और इवेंट प्रबंधन से जुड़े पेशेवरों के लिए भी नए अवसर उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग है। आज लोग ऐसे उपायों की तलाश में हैं जो उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखें तथा योग इसके लिए एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से हर रोज योग, भगाएगा सारे रोग का संदेश अपनाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए आयुष मंत्रालय ने 'योग 365' अभियान शुरू किया है। उन्होंने चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने देशों में लौटकर योग के संदेश के दूत बनें और दुनिया भर में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतियोगिता में चाहे कोई भी विजेता बने, लेकिन इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनकर सभी प्रतिभागी पहले ही चैंपियन बन चुके हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिभा और अनुशासन को विश्व के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई दी तथा प्रथम विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप 2026 के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में सौर ऊर्जा के उपयोग को गति देने पर दिया जोर

श्रीनगर, 04 जून। मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में चल रही बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने और केंद्र शासित प्रदेश में इन प्रयासों को आगे बढ़ाने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पहचानी गई बाधाओं को दूर करने के लिए सभी संबंधित सरकारी हितधारकों की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में विद्युत विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग के आयुक्त सचिव, जम्मू/कश्मीर के संभागीय आयुक्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के आयुक्त सचिव, जेपीडीसीएल/केपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक तथा कई अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने चर्चा किए गए मुद्दों पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निरंतर और परिणामोन्मुखी अनुवर्ती कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि सभी हितधारकों के साथ सामूहिक परामर्श के माध्यम से चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभाग को निर्धारित समयसीमा के भीतर सौर ऊर्जा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्त विभाग और अन्य एजेंसियों द्वारा दिए जा रहे समर्थन का पूरा लाभ उठाना चाहिए। जम्मू और कश्मीर में नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाओं पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने विभाग को पीएम गति शक्ति पोर्टल पर चिन्हित भूमि भूखंडों की व्यापक समीक्षा करने और भारत सरकार समर्थित कार्यक्रमों के तहत मेगा सोलर पार्क स्थापित करने के लिए उनकी उपयुक्तता का आकलन करने की सलाह दी। उन्होंने एक केंद्रित और मिशन-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया और विभाग को अगले छह महीने, एक वर्ष और दो वर्षों के लिए मापने योग्य लक्ष्य निर्धारित करने और प्रत्येक चरण में जमीनी स्तर पर स्पष्ट प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में सौर परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण कई मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया जिनमें भूमि अधिग्रहण और हस्तांतरण, विभिन्न विभागों से वैधानिक मंजूरी प्राप्त करना, सौर ऊर्जा से लैस भवनों से उत्पन्न बिजली की निकासी के लिए वितरण कंपनियों के साथ बिजली खरीद समझौतों का निष्पादन और सौर ऊर्जा संपत्तियों के इष्टतम उपयोग के लिए ग्रिड स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक उपाय शामिल हैं। सरकारी भवनों में वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम लगाने, अलग-अलग भवनों के लिए अलग-अलग बिलिंग के बजाय विभागों के लिए एकीकृत बिलिंग सिस्टम अपनाने और सौर परियोजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। हितधारकों ने विभागों में सौर ऊर्जा समाधानों की अधिक दक्षता सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी मॉडल के तहत कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं के लिए दरों के युक्तिकरण और समतुल्यीकरण की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया।

खबर संक्षेप

जम्मू और कश्मीर में 4-5 जून को गरज के साथ बौछारें, तेज हवाओं की संभावना

श्रीनगर, 04 जून । श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने 4 और 5 जून को जम्मू और कश्मीर में व्यापक बारिश, गरज के साथ बौछारें, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का पूर्वानुमान लगाया है। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर अगले दो दिनों में एक या दो बार बारिश, गरज के साथ बौछारें, ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ स्थानों पर संक्षिप्त तीव्र वर्षा भी हो सकती है। 6 जून को मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 7 से 12 जून तक जम्मू और कश्मीर में आमतौर पर गर्म और शुष्क मौसम रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अपनी सलाह में 4 से 6 जून के दौरान छिटपुट स्थानों पर गरज, बिजली, ओलावृष्टि और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं की चेतावनी दी है, जिनकी गति 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि कश्मीर और जम्मू दोनों डिवीजनों में 4 और 5 जून को छिटपुट बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन हो सकता है। लोगों को आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं के दौरान घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने जनता से प्रतिकूल मौसम की स्थिति में नौका विहार और शिकारा की सवारी स्थगित करने और बाढ़ और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सावधानी बरतने का भी आग्रह किया है।

एलजी सिन्हा ने श्रीनगर में ऋषिवार अंतर-धार्मिक सम्मेलन 2026 में भाग लिया

श्रीनगर, 4 जून। लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री मनोज सिन्हा ने आज श्रीनगर में ऋषिवार अंतर-धार्मिक सम्मेलन 2026 में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि सभी धर्मों को समान सम्मान देने का विचार हजारों वर्षों से भारत के दर्शन का अभिन्न हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा, जब आज कई देश सह-अस्तित्व की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब विविधता हमारी जीवन शैली की स्वाभाविक पहचान रही है। जहां कई समाजों ने एकता बनाए रखने के लिए उपाय बनाए, वहीं भारत ने सह-अस्तित्व की भावना और मूल्यों को अपनाया तथा हजारों वर्षों से इसे सहज रूप से अपनाकर रखा। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि सभी विचारों और विश्वासों का सम्मान करना सनातन धर्म की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने सदैव विविधता में एकता पर जोर दिया है और उन सभी धर्मों का सम्मान किया है जो सनातन धर्म के हजारों वर्षों बाद अस्तित्व में आए। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद भी सिखाता है कि हमारे हृदय और विचार एक हों, हमारा उद्देश्य समान हो, हमारी भावनाएं सामंजस्यपूर्ण हों और हमारे विचार एकजुट हों। उन्होंने कहा, दुनियाभर के विद्वान और शोधकर्ता इस बात से सहमत हैं कि सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान की भावना की दार्शनिक जड़ें हमारे महान देश की प्राचीन परंपराओं में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को मानवता के कल्याण के लिए मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, आज मानवता को सबसे अधिक इसी की आवश्यकता है। सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान भारत की दुनिया को सबसे मूल्यवान देन है। हमें इसे लगातार मजबूत करना होगा ताकि हम एकजुट होकर आगे बढ़ सकें और सभी समुदायों के लिए समृद्धि ला सकें। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने वंदे मातरम् पहल के तीन चरणों में जम्मू-कश्मीर के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और इसे जनता की देशभक्ति भावना का प्रमाण बताया। उन्होंने नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान को मिले व्यापक जनसमर्थन की भी प्रशंसा की तथा नागरिकों, संस्थानों और सामुदायिक नेताओं से इसे जन आंदोलन बनाने की अपील की। सम्मेलन में न्यायमूर्ति संजय धर, डॉ. सैयद दरख्शान अंद्राबी, प्रोफेसर नीलोफर खान, प्रोफेसर मीना शर्मा, संतगण, न्यायपालिका, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

> **"भारत के दर्शन में सभी धर्मों को समान सम्मान देने का विचार हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है। जबकि आज कई देश सह-अस्तित्व की चुनौती से जूझ रहे हैं, विविधता हमारी जीवन शैली की स्वाभाविक पहचान रही है: एलजी सिन्हा**

राज्य चुनाव आयुक्त ने पंचायत और डीडीसी चुनाव तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू,, 04 जून । राज्य चुनाव आयुक्त शांतनु ने आज जम्मू-कश्मीर में आगामी पंचायत और जिला विकास परिषद चुनावों की तैयारियों को लेकर जम्मू संभाग के जिला उप-चुनाव अधिकारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में चुनावी तैयारियों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्य चुनाव आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।

अधिकारियों के अनुसार कश्मीर संभाग के लिए इसी तरह की समीक्षा बैठक 4 जून को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी जिसमें चुनावी तैयारियों का आकलन किया जाएगा।

श्रीनगर में कथित ड्रग तस्कर की 2 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति ध्वस्त

श्रीनगर, 04 जून । नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान को तेज करते हुए श्रीनगर पुलिस ने राजस्व विभाग के समन्वय से श्रीनगर के रैनावारी इलाके में लगभग 2 करोड़ रुपये मूल्य की एक अवैध रूप से निर्मित तीन मंजिला आवासीय इमारत को ध्वस्त कर दिया।

बताया जा रहा है कि यह संपत्ति एक कथित ड्रग तस्कर से जुड़ी थी और अवैध तरीकों से अर्जित की गई संपत्तियों की जांच के बाद इसे ध्वस्त किया गया। पुलिस ने बताया कि यह ढांचा अतिक्रमण की गई सरकारी जमीन पर बनाया गया था जिसके परिणामस्वरूप अनधिकृत कब्जे से मूल्यवान सरकारी संपत्ति बरामद हुई।

अधिकारियों के अनुसार इस व्यक्ति पर कश्मीर के विभिन्न जिलों में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। संपत्ति के सत्यापन के दौरान जांचकर्ताओं ने कथित तौर पर पाया कि यह इमारत अवैध रूप से अर्जित संपत्ति थी और मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों से प्राप्त आय से जुड़ी थी।

कानूनी कार्यवाही पूरी होने के बाद और राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों और उनकी वित्तीय संपत्तियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत इमारत को ध्वस्त कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों के व्यापार के आर्थिक ढांचे को नष्ट करने और अवैध आय का उपयोग संपत्ति हासिल करने या विकसित करने के लिए रोकने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिकारियों ने मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों पर नकेल कसने के अपने संकल्प को दोहराया और नागरिकों से जम्मू और कश्मीर में मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ लड़ाई में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

मिशन युवा की वास्तविक शक्ति युवाओं को ऐसे उद्यमी बनाना है जो दूसरों के लिए अवसर पैदा करें: मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 4 जून। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सिविल सचिवालय में मिशन युवा के तहत 6 लाभार्थियों को 1.12 करोड़ रुपये के स्वीकृति पत्र प्रदान किए। मिशन युवा के तहत अप्रैल और मई के दौरान 3,367 मामलों में 209 करोड़ रुपये वितरित किए गए, जिससे युवाओं के उद्यम और रोजगार सृजन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता मजबूत हुई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि 5,016 स्वीकृत मामलों में कुल 269 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, जिनमें से 3,367 मामलों में 209 करोड़ रुपये 1 अप्रैल से 31 मई के बीच वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह वित्तीय सहायता उन्हें स्थायी व्यवसाय स्थापित करने तथा रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि मिशन युवा जम्मू-कश्मीर में युवाओं के उद्यम विकास के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि मिशन युवा के तहत वित्तीय सहायता, कौशल विकास और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समावेशी आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है और मिशन युवा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की, आवास, शहरी ढांचे और संपर्क परियोजनाओं पर चर्चा की

श्रीनगर, 4 जून। विभिन्न जनप्रतिनिधियों, सेना अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से सिविल सचिवालय में मुलाकात की।

बैठक के दौरान विभिन्न विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

हडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की और शहरी विकास, जल आपूर्ति, सीवरेज, सड़क संपर्क और बिजली परियोजनाओं पर चर्चा की।

बाद में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और विभिन्न सड़क एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों और जन समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

डीआईजी ने नियंत्रण रेखा के निकटवर्ती क्षेत्रों का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

जम्मू, 4 जून(। राजौरी-पूंछ रेंज के उप महानिरीक्षक संदीप वज़ीर ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास स्थित अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और परिचालन तैयारियों का आकलन किया। राजौरी और पूंछ के सीमावर्ती जिलों के परिचालन क्षेत्रों की देखरेख करने वाले डीआईजी ने सावजियान और आंगनपथरी के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा दौरे के दौरान वज़ीर ने अग्रिम क्षेत्रों में तैनात पुलिस कर्मियों से बातचीत की और सतर्कता बनाए रखने तथा किसी भी उभरती हुई स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए किए गए इंतज़ामों का जायज़ा लिया।

सीमावर्ती क्षेत्र के रणनीतिक महत्व पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कर्मियों को उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखने निगरानी उपायों को मज़बूत करने और क्षेत्र में कार्यरत सभी सुरक्षा एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

डीआईजी ने ग्राम रक्षा गार्डों (वीडीजी) के सदस्यों और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों से संक्षिप्त बातचीत की और क्षेत्र में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने में उनके सहयोग की सराहना की।

पुलिस ने ड्रग माफिया पर कार्रवाई तेज की, एक दिन में 6 एफआईआर दर्ज

अनंतनाग, 4 जून। मादक पदार्थों की तस्करी और उनसे संबंधित गतिविधियों के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए अनंतनाग पुलिस ने एक ही दिन में 6 एनडीपीएस मामले दर्ज करके बड़ी सफलता हासिल की जिसके परिणामस्वरूप 4 आरोपियों की गिरफ्तारी, प्रतिबंधित सामग्री की बरामदगी और अवैध रूप से उगाई गई अफीम की खेती को नष्ट किया गया। हाई ग्राउंड क्रॉसिंग के पास सरनाल बाला में नियमित नाका जांच के दौरान पीपी शैरबाग की एक पुलिस टीम ने मोहसिन इरशाद वांट पुत्र इरशाद अहमद वांट निवासी अल-फारूक कॉलोनी, आंचिडोरा के कब्जे से 1.134 किलोग्राम चरस पाउडर बरामद किया।

इस संबंध में अनंतनाग पुलिस स्टेशन में धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 168/2026 दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में बिजबेहरा पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम ने पज़लपोरा में नाका चेकिंग के दौरान एक ड्रग तस्कर, जुनैद अहमद खान पुत्र बशीर अहमद खान निवासी उरानहॉल को गिरफ्तार किया और उसके पास से 88 ग्राम चरस बरामद की।

तदनुसार धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 148/2026 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।

इसी प्रकार मट्टन पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम ने पांदो-लाड वांतराग रोड पर नाका लगाया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को देखकर एक व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया लेकिन उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 205 ग्राम चरस पाउडर जैसा पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी की पहचान शकील अहमद खान पुत्र गुलाम नबी खान निवासी केहरिबल रणबीरपोरा के रूप में हुई है। इस संबंध में धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 64/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एक अन्य कार्रवाई में उतरासू पुलिस स्टेशन ने उमर कादिर शेख पुत्र गुलाम कादिर शेख निवासी शेख मोहल्ला, उतरासू, बटबाग के पास से गिरफ्तार किया और उसके पास से 54 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया। तदनुसार, धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 52/2026 दर्ज कर आगे की जांच जारी है। नशीले पदार्थों की अवैध खेती के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अचबल पुलिस स्टेशन को संबंधित बीट ऑफिसर के माध्यम से सूचना मिली की गुलाम कादिर वागे पुत्र अब्द गफ़र वागे निवासी चेकबाद, अचबल ने अपने खेत में अफीम पोस्त के पौधे अवैध रूप से उगाए हैं। परिणामस्वरूप धारा 8/18 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 48/2026 दर्ज की गई और कार्यकारी मजिस्ट्रेट और कृषि अधिकारी की उपस्थिति में अवैध फसल को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

एक अन्य कार्रवाई में कोकरनाग पुलिस स्टेशन को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा खोखरपोरा अधाल में अफीम पोस्त की अवैध खेती के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई।

सावधानी से करें अपने जीवनसाथी का चुनाव

किसी को जीवनसाथी चुनने के लिए केवल यही जरूरी नहीं होता कि आप उसे प्यार करते हैं और इसीलिए वह आपके लिए एकदम ठीक है। यह जानना भी जरूरी है कि क्या आपका और उनका साथ पूरी तरह से ठीक बैठता है? इसे अच्छी तरह विचार करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि यह आपकी जिन्दगी का एक अहम फैसला है। आपकी पसंद पर ही आपका पूरा भविष्य टिका होता है, इसीलिए आपको अपनी तरफ से पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए कि आपकी पसंद एकदम सही है।

इसके लिए सबसे पहले आपको अपने आप से पूरी ईमानदारी के साथ यह सवाल करके देखना होगा कि आप उसे प्यार क्यों करती हैं या उसके साथ क्यों हैं? अगर आप ठीक यही प्रश्न अपने मित्रों से करें तो शायद उन्हें आश्चर्य भी हो सकता है। उनका जवाब यही होगा कि क्योंकि वह मुझे प्यार करता है या फिर मैं उसे दुखी नहीं करना चाहती। इस तरह के उत्तर इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यह रिश्ता पूरी तरह से डर, असुरक्षा व दया पर आधारित है। लेकिन जब रिश्तों में बहुत सारे अगर-मगर, लेकिन व और आने लगें तो इसका अर्थ है कि जल्दी या देर से ही सही इस रिश्ते का अंत निश्चित है।

यहां इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि आपका संबंध विच्छेद हो जाएगा। हो सकता है कि आप अपनी बाकी की जिंदगी एक-दूसरे के साथ ही गुजार दें लेकिन एक आदर्श जोड़े के रूप में आप नाकामयाब हों। तो फिर प्रश्न उठता है कि अपना सही जीवनसाथी कैसे चुनें। यह तो स्वाभाविक है कि आप उसे साथी चुनते हैं जो आपको पहली नजर में ही शारीरिक रूप से आकर्षित करे, पर इसका अलावा भी बहुत से ऐसे पक्ष हैं जो महत्वपूर्ण हैं, जिनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बातचीत का स्तर

जब आप अपने साथी से बात करें तो यह देखें कि क्या उसका और आपका स्तर समान है? आपकी बात का जवाब देने में उसे कितना समय लगता है? क्या आप बोर हो जाती हैं जब आपके प्रश्न के उत्तर में वह बाकी सब कुछ बताता है केवल उसे छोड़कर जो आपने पूछा था? या फिर वह जो मजाक करता है उसे आप पसंद करती हैं? क्या वह आपकी तुलना में बहुत धीरे बोलता है? जब आप बोलती हैं तो क्या वह पूरी तरह आपकी बात समझता है? क्या आप वास्तव में उससे सभी तरह की बातें कर सकती हैं?

समान रूचि

आप दोनों में ऐसा कुछ जरूर होना चाहिए जो समान हो। अन्यथा न तो आपके पास बात करने के लिए कुछ होगा और न ही मिलकर कुछ करने के लिए। ऐसे में शारीरिक संबंध भी आपको काफी दूर ले जा सकते हैं। जब दो व्यक्तियों की एकदम अलग रूचियां हों तो ऐसे में हमेशा किसी एक को दूसरे के लिए अपनी इच्छाओं की बलि देनी होगी। या फिर आप पूरी तरह से अलग जिंदगी जिएंगे।

ख्वाहिशे

क्या आप दोनों ही जिंदगी में एक ही तरह की चीजें चाहते हैं? या वह आपको पीछे करके स्वयं आगे जाना चाहता है? क्या वह आपको अपनी इच्छा का कॅरियर अपनाने की स्वतंत्रता देने की इच्छा रखता है? यहां तक कि अगर देर रात तक काम करना हो तो वह इसकी इजाजत देगा?

उक्त बातों में बहुत सी चीजें आपकी व्यक्तिगत पसंद पर आधारित होती हैं। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप क्या हैं और आप क्या स्वीकार नहीं करना चाहतीं? केवल इसीलिए कि आप किसी को प्यार करने लगी हैं इसलिए वह आपके लिए उचित जीवनसाथी नहीं हो सकता। बहुत से लोगों के अनुभव इस बात को सिद्ध करते हैं।

ऐसे रखें बालों का ख्याल

नारी की खूबसूरत का आइना, नारी के केश से लगाया जाता है, जो उनमें एक अलग तरह की जान डाल देते है। इन केशो को और अधिक खूबसूरत बनाने के लिए हम आपको बता रहें कि क्या करें, क्या न करें?

- केशों की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आप अपने केशो को सप्ताह में कम से कम दो बार अवश्य धोया जाए।
- गंदे और चिपचिपे केशों को हर दूसरे व तीसरे दिन धोएं ताकि उनमें जमे धूल के कण साफ हो जाए।
- केशों को धोते समय उन्हें कई बार साफ पानी से धोएं। यदि केशों में शैंपू या कंडीशनर रह जाए तो केशो को हानि पहुंचाती है।
- अगर आप अपने केशो में कई प्रकार के प्रोडक्ट्स का प्रयोग करती है तो आपको नियमित रूप से केशो की सफाई करनी होगी क्यो कि ये केशो को कमजोर बना देते है।

- केशो को धोने के बाद हो सके तो धूप में या फिर हवा में ही सुखाएं। अगर आप केशो को सुखाने के लिए ड्रायर का उपयोग करते है तो केशों को अधिकतम हीट पर न सुखाएं क्यो कि हीट से सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। जब केश बहुत गीले हो तो उन्हें ब्लो ड्राई न करें। इससे उनकी जड़ों को नुकसान पहुंचता है। ड्रायर को कभी भी एक स्थान पर रोककर न रखें। हल्के हल्के घुमाते हुए केश सुखाएं। आधे केशों के सूखने के बाद ड्रायर को कूल पर सेट करें। केशों को खोलकर ही सुखाएं।
- केशो में कंघी को सही रूप से करना चाहिए और ज्यादा कंघी को करने से केशो को हानी पहुचती है, जिससे तैल ग्रंथियां बहुत ज्यादा सक्रिय हो उठती हैं, और वे चिपचिपे से हो जाते हैं।
- चिपचिपे केशों में मिट्टी व धूल के कण जमा हो जाते हैं। इससे केशों की बाहरी सुरक्षात्मक झिल्ली को भी नुकसान पहुंचता है।
- स्वस्थ व सुंदर केशों की सफाई के लिए शैंपू व कंडीशनर बेहद जरुरी है, क्योंकि ये केशों पर एक अस्थायी सुरक्षात्मक परत चढ़ा देते हैं और इससे केशों को खास चमक प्रदान होती हैं।
- पौष्टिक आहार से केशों की जड़ों को अंदर से पोषण मिलता है। ताजे फल, हरी सब्जियां व प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में लें। केशों में चमक लाने के लिए विटामिन ई युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें व सिर की तेल से मालिश करें।

ऐसा हो रिश्तों का बंधन

प्यार एक ऐसा बंधन होता है, जो कि विश्वास पर टिका होता है, अगर ये विश्वास न रहा तो आपका प्यार को टूटने से कोई नहीं बचा सकता है। इसे निभाने के लिए प्यार के डोर को मजबूत करना होता है, तभी आपके रिश्ते को लंबी उम्र मिल सकती है। इसके लिए आपको इन बातो का ध्यान रखना होगा...

हर समय साथ दें : क्या आप जानते है कि आपके अपने इतने सारे दोस्तो में आप किसी एक को ही क्यों पंसंद करते हैं, क्योंकि वो आपको आसानी से समझ सकता है, तभी तो आप उससे प्यार करने लगते हैं और हर समस्या का निवारण आसानी से हो जाता है। जब भी कोई सिचुएशन आती है, तो आपको अपने साथी की मदद करनी चाहिए।

सम्मान अहम है : भारतीय समाज में सम्मान की अहम भुमिका होती है इसके लिए आपको एक-दूसरे को सम्मान देना जरूरी है, जो आपके रिश्तो को करीब लाऐगी, और रिश्तो मे कड़वाहट को दूर करेगी।

समझे स्थिति को : आपको अपने रिश्तों में एडजस्टमेंट करना जरूरी है, इससे आपकी स्थिति मे काफी सुधार होगा। आप अपने अनुसार परिस्थिति को समझने की कोशिश करें ताकि आपके हालातो में सुधार होगा।

रखें विश्वास : रिश्तों में विश्वास का होना जरूरी है। जिस रिश्ते में विश्वास नहीं होता है, वहां रिश्ते की नींव डगमगाने लगती है। परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, आपको एक-दूसरे पर विश्वास रखना होगा तभी जीवन की गाड़ी आगे बढ सकती है।

दोहरी चुनौती से जूझती कामकाजी महिलाएँ

आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं।

समाज में अब एक क्रांतिकारी परिवर्तन आ चुका है। इसमें और चीजों के साथ ही महिलाओं की दशा भी सुधरी है। आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। जिससे कामकाजी महिलाओं की आफिसों में मुश्किलें बढ़ रही हैं।

रेखा को जब नौकरी मिली तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन धीरे-धीरे अपनी खुशियां उसे एकदम धूमिल होती नजर आने लगीं। रेखा पहले दिन जब आफिस गई तो वहां का वातावरण उसे बहुत अच्छा लगा। शुरू-शुरू में तो सभी सहकर्मियों का व्यवहार भी अच्छा रहा। लेकिन धीरे-धीरे पुरुष सहकर्मियों के प्रति उसकी धारणा बदलने लगी, हर पुरुष उसे अजीब नजरों से देखता। पहले जींस और शर्ट पहन कर आफिस जाने वाली रेखा को लगा कि इसका कारण शायद उसके आधुनिक कपड़े ही हैं। अतः उसने अपने कपड़ों पर ध्यान दिया और आफिस जाने के लिए ऐसे वस्त्र पहनने शुरू किये, जिनमें बदन न दिखता हो। वह आफिस में काम करते समय भी सतर्क रहती थी कि कहीं उसका बदन न दिखाई दे। साड़ी के पल्लू और दुपट्टे को वह हमेशा व्यवस्थित रखती थी फिर भी पुरुष सहकर्मियों की निगाहें उसे वस्त्रों के अंदर कुछ तलाशती सी महसूस होतीं। यह स्थिति रेखा के लिए बड़ी अजीब थी।

यही नहीं एक दिन तो हद ही हो गई, जब उसका एक पुरुष सहकर्मी जोकि उसमें बहुत रूचि लेने लगा था और जिसे रेखा ने समझाते हुए कहा भी था कि वह शादीशुदा है और उसका अपने पति पर पूरा विश्वास है तथा दोनों का मजबूत दांपत्य है। लेकिन इन सबके बावजूद वह कुछ समझने को तैयार नहीं था। उसने एक दिन प्रेमपत्र लिखा और रेखा की मेज पर छोड़ दिया। रेखा ने जब पत्र देखा तो वह गुस्से में आ गई और उसने वह पत्र अपनी एक महिला सहकर्मी को दिखाया तो उसने बताया कि आफिस में इसके पहले भी कुछ महिलाओं के साथ ऐसी घटनाएं घटी हैं। महिलाओं ने जब विरोध किया तो उन्हें बदनामी उठानी पड़ी। कुछ महिलाओं को तो इस बदनामी के चलते मजबूर हो कर नौकरी तक छोड़नी पड़ी। रेखा जैसी एक नहीं अनेकों महिलाएं हैं, जो अपने पुरुष सहकर्मियों के कारण मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहती हैं लेकिन अब इन महिलाओं को नौकरी छोड़ने या पुरुष सहकर्मियों से दबने की आवश्यकता नहीं है। आज केन्द्र सरकार सहित विभिन्न राज्य सरकारों में एक प्रकार के शिकायत प्रकोष्ठ की व्यवस्था है, जिनमें महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। लेकिन होता यह है कि महिलाएं बदनामी के डर से किसी से शिकायत नहीं करतीं और स्वयं में घुट कर रह जाती हैं।

महिलाओं को यह समझना चाहिए कि बदलते परिदृश्य और आधुनिक जीवनशैली की एक आवश्यकता है कि वह घर की जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ आफिस की जिम्मेदारी भी संभालें। अगर कोई महिला कार्यालय के किसी सहयोगी से परामर्श लेती है, किसी बहस में गर्मजोशी से भाग लेती है तो पुरुष उस महिला के प्रति गलत धारणा बना लेता है। उसे लगता है कि वह महिला उसमें रूचि ले रही है। अतः वह इसका लाभ उठाने के लिए तैयार रहता है। कभी-कभी वह अनुचित प्रयास भी करता है। ऐसे में महिला यदि शिकायत भी करे, तो गलत उसे ही ठहराया जाता है। वैसे यह तथ्य भी उभर कर आया है कि कामकाजी महिलाओं को छेड़ने के मामले में उनके बॉस की भूमिका कम होती है। इस संदर्भ में कई लोगों का कहना है कि महिलाओं से छेड़छाड़ में सहयोगियों का हाथ ही अधिक होता है। कामकाजी महिलाएं ऐसे मामलों में परिवार के सदस्यों की बजाय दोस्तों से सलाह लेना अधिक पसंद करती हैं। खासकर वे इस बात की चर्चा अपने पति से कभी नहीं करतीं। उन्हें इस बात का भय रहता है कि पति उन्हें गलत समझेंगे और उनका दांपत्य टूट जाएगा।

महिलाओं को चाहिए कि वह आफिस में अपने काम से काम रखें और बेफालतू की बातों में न उलझें। वैसे पुरुष कर्मियों का भी यह फर्ज बनता है कि वह हंसी मजाक तो करें लेकिन उसकी एक सीमा हो। दोनों पक्षों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह मर्यादा की सीमा को न लांघें और न ही ऐसी स्थितियां पैदा करें जिससे दूसरा व्यक्ति मानसिक तनाव में आ जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जीएमसी कठुआ में पहली बार उन्नत थेरेपी से जटिल नेफ्रोटिक सिंड्रोम का सफल इलाज

कठुआ, 04 जून (हि.स.)। सरकारी मेडिकल कॉलेज कठुआ ने बाल स्वास्थ्य सेवाओं में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए जटिल नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित मरीज के उपचार के लिए पहली बार रिटुक्सिमैब (एडवांस बायोलॉजिकल थेरेपी) का सफल उपयोग किया है।

जीएमसी कठुआ के प्राचार्य डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री ने बताया कि बाल रोग विभाग में 14 वर्षीय एक बच्ची जो रिफ्रैक्टरी स्टेरॉयड-डिपेंडेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी का सफल उपचार किया गया। यह उपचार डॉ. वीरेंद्र कुमार (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष) और डॉ. आकाश सिंह (सहायक प्रोफेसर) की देखरेख में, प्राचार्य डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री के मार्गदर्शन में किया गया। रिटुक्सिमैब एक उन्नत उपचार पद्धति है जो बीमारी से जुड़े बी-लिम्फोसाइट्स को लक्षित कर रोग की तीव्रता और बार-बार होने वाले अटैक को कम करती है, साथ ही लंबे समय तक स्टेरॉयड पर निर्भरता भी घटाती है। खास बात यह रही कि यह उपचार मरीज को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। इस नई सुविधा से अब क्षेत्र के मरीजों को बाहर रेफर होने की आवश्यकता कम होगी जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। जीएमसी कठुआ प्रशासन ने इसे क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मायोपिया जागरूकता सप्ताह के तहत जीएमसी कठुआ द्वारा स्कूल विजन स्क्रीनिंग कैंप आयोजित

कठुआ, 04 जून (हि.स.)। मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए चलाए जा रहे वैश्विक अभियान के तहत मायोपिया जागरूकता सप्ताह के अवसर पर जीएमसी कठुआ के नेत्र रोग विभाग द्वारा सरकारी मिडिल स्कूल बी, कठुआ में एक व्यापक स्कूल विजन स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जीएमसी कठुआ के प्राचार्य डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री के मार्गदर्शन तथा नेत्र रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सोदानी की देखरेख में संपन्न हुआ। कैंप का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्याओं, विशेषकर मायोपिया का समय रहते पता लगाना और उनका उचित उपचार सुनिश्चित करना था। इस दौरान रिफ्रैक्शनिस्ट मुकेश माथुर द्वारा

कुल 75 छात्रों की आंखों की जांच की गई जिसमें से 10 बच्चों में रिफ्रैक्टिव एरर (दृष्टि दोष) पाया गया जबकि 2 बच्चों में भेंगापन (स्क्विंट) की समस्या सामने आई जिन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए चिन्हित किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सोदानी ने जागरूकता व्याख्यान देते हुए बताया कि विश्वभर में बच्चों में मायोपिया के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। उन्होंने नियमित नेत्र जांच, समय पर निदान और उचित उपचार के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने बच्चों को अधिक समय तक बाहर खेलने, स्क्रीन टाइम कम करने और आंखों की स्वच्छता बनाए रखने जैसी स्वस्थ आदतें अपनाने की सलाह दी।

डॉ. सोदानी ने कहा कि इस प्रकार के स्क्रीनिंग कार्यक्रम प्रारंभिक अवस्था में दृष्टि दोषों की पहचान करने में अत्यंत सहायक होते हैं जिससे बच्चों की पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने यह भी कहा कि सामुदायिक स्तर पर जागरूकता और नियमित जांच से बाल्यावस्था में मायोपिया के बढ़ते मामलों को नियंत्रित किया जा सकता है।

सरकार ने जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों के लिए वृक्ष प्राधिकरणों का किया पुनर्गठन

जम्मू, 4 जून (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर सरकार ने जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों के लिए वृक्ष प्राधिकरणों का पुनर्गठन जम्मू और कश्मीर नगर निगम अधिनियम 2000 के प्रावधानों के तहत किया है। सरकारी आदेश के अनुसार संबंधित नगर निगम के आयुक्त अध्यक्ष के रूप में प्राधिकरण के प्रमुख होंगे जबकि नगर निगम, शहरी वानिकी और बागवानी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। प्राधिकरणों को अपने अधिकार क्षेत्र में वृक्षों के संरक्षण को सुनिश्चित करने भूस्वामियों और निवासियों से वृक्षों का विवरण प्राप्त करने, विभिन्न इलाकों में वृक्षों की संख्या और प्रकार के संबंध में मानक निर्धारित करने, वृक्षारोपण और संरक्षण प्रयासों में सार्वजनिक और निजी संस्थानों की सहायता करने और शहरी हरियाली की रक्षा के उद्देश्य से उपायों को लागू करने का कार्य सौंपा गया है।

जम्मू में महिला सामाजिक कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल

जम्मू,, 04 जून (हि.स.)। जम्मू में आज विभिन्न महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नेशनल कॉन्फ्रेंस का दामन थामा। इस मौके पर उन्होंने पार्टी की समावेशी विकास और सामाजिक कल्याण की नीति पर विश्वास जताया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर संगठन को और सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। विजय लक्ष्मी दत्ता के नेतृत्व में पार्टी में शामिल हुईं महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे महिलाओं के नेतृत्व में बदलाव और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में काम करना चाहती हैं। नेताओं ने इस पहल को लोकतांत्रिक भागीदारी और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में कहा गया कि पार्टी का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है, जिसमें महिलाओं की भूमिका को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

एसएसपी जम्मू ने डीपीएल जम्मू में अपराध समीक्षा बैठक की

जम्मू, 04 जून (हि.स.)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जम्मू जोगिंदर सिंह ने आज जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) जम्मू में एक व्यापक अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य जिले भर में प्रचलित अपराध परिदृश्य का आकलन करना और विभिन्न पुलिस इकाइयों के प्रदर्शन की समीक्षा करना था। बैठक में सभी जोनल पुलिस अधीक्षकों (एसपी), उप-मंडल पुलिस अधिकारियों (एसडीपीओ), थाना अधिकारियों (एसएचओ) और जिला जम्मू के पुलिस चौकियों, सीमा पुलिस चौकियों के प्रभारियों ने भाग लिया।

गाल्डनी नारवाल में पीडीडी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग यूनिट के चुनाव संपन्न

जम्मू,, 04 जून (हि.स.)। जम्मू के गाल्डनी नारवाल क्षेत्र में पीडीडी (विद्युत विभाग) इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग यूनिट के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभागीय कर्मचारियों में काफी उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों के बीच मुकाबला देखने को मिला। मतदान प्रक्रिया को सुचारु और निष्पक्ष बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल शांतिपूर्ण रहा और किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

सियासी खींचतान में नहीं रुक सकता शासन-राजीव जसरोटिया का उमर सरकार पर तीखा हमला

कठुआ, 04 जून (हि.स.)। भाजपा नेता एवं जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि शासन को सियासी खींचतान का बंधक नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता को रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान चाहिए, न कि सरकार के अंदरूनी मतभेदों को सुलझाने में समय बर्बाद होता देखना। पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश के लोग बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं ऐसे समय में सरकार का ध्यान आंतरिक राजनीतिक मुद्दों में उलझा रहना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जनता ने सरकार को शासन चलाने के लिए चुना है न कि आपसी मतभेद सुलझाने के लिए। हर वह समय जो राजनीतिक मतभेदों में खर्च हो रहा है, वह जनता की समस्याओं के समाधान से छिन रहा है। जसरोटिया ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और मंत्रियों पर बड़ी जिम्मेदारी है लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होता दिख रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों, रोजगार सृजन और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के बजाय सरकार का ध्यान राजनीतिक समीकरणों पर अधिक है।

बिशनाह में सफाई कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

जम्मू,, 04 जून (हि.स.)। बिशनाह में सफाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि पिछले कई वर्षों से उन्हें उनके अधिकार और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं जिसके कारण उन्हें बार-बार आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों के समर्थन में विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्य प्रभावित किया गया है जिसके चलते कई स्थानों पर कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं।

सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से जल्द वार्ता कर समस्याओं का समाधान निकालने की मांग की।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/ **जेएटी निविदा सूचना संख्या 433_Sig_38_25_26** समापन तिथि/समय **24.06.2026 15:00 बजे** के विरुद्ध **https://www.ireps.gov.in** पर ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आई आर ई पी एस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैस नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि क माध्यम से करन की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य		
कार्य का नाम	जम्मू डिवीजन के अंतर्गत एस.आर.डी.एस.टी.ई./जे.ए.टी. के अधिकार क्षेत्र में ई.आई.मेक मेधा का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) तीन (3) वर्षों के लिए।		
निविदा समापन तिथि समय	24.06.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि समय	02.06.2026 17:50
विज्ञापित मूल्य (रु.)	4236900.00	आईआरईपीएस के अनुसार बोली शुरू करने की तिथि	10.06.2026
बयाना राशि (रु.)	84700.00	पूरा होने की अवधि	36 महीने

निविदा सूचना सं0 : **433_Sig_38_25_26** दिनाकः- **02.06.2026 समापन तिथि/समयः 24.06.2026 15:00** **1883/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा शुद्धिपत्र सूचना

शुद्धि पत्र एवं निविदा विवरण

शुद्धि पत्र सं. 1	आईआरईपीएस के अनुसार शुद्धि पत्र प्रकाशन तिथि		03/06/26 18:20
कार्य का नाम	जम्मू डिवीजन के अंतर्गत एस.आर.डी.एस.टी.ई./जे.ए.टी. के अधिकार क्षेत्र में ई.आई.मेक मेधा का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) तीन (3) वर्षों के लिए।		
निविदा समापन तिथि समय	24.06.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि और समय	03.06.2026 18:20
विज्ञापित मूल्य (रु.)	4999542.00	आईआरईपीएस के अनुसार बोली प्रारंभ तिथि	10.06.2026
बयाना राशि (रु.)	100000	समापन की अवधि	36 महीने

संशोधित आइटम एनआईटी हेडर

फ़ील्ड का नाम	मौजूदा मूल्य	संशोधित मूल्य
बयाना राशि	84700.00	100000.00
विज्ञापित मूल्य	4236900.00	4999542.00

निविदा सं0 : **433-Sig-JAT-38-25-26** दिनाकः- **03.06.2026** समापन दिनांक/समयः **24.06.2026 15:00** **1898/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लगातार तीसरे दिन सपाट स्तर पर सर्राफा बाजार

नई दिल्ली, 04 जून (हि.स.)। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना भी आज बुधवार के भाव पर ही यानी 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

आकस्मिक गोलीबारी में एक सैनिक घायल

मेंढर, 4 जून(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के अग्रिम क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात एक सेना का जवान उस समय घायल जब उसकी सर्विस राइफल गलती से चल गई।

अधिकारियों के अनुसार यह घटना बुधवार रात मेंढर के बोलनोई सेक्टर में घटी।

उन्होंने बताया कि सेना के अधिकारियों ने घायल सैनिक को निकालकर राजौरी के एक अस्पताल में भर्ती कराया है यहां उसका इलाज जारी है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या :- 433_Sig_JAT_102_26-27 **दिनाँकः 03.06.2026**

समापन दिनांक/समयः 24.06.2026 15:00

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डीएसटीई/जेएटी **https://www.ireps.gov.in** पर ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदा सूचना संख्या 433_Sig_JAT_102_26-27 के विरुद्ध अंतिम तिथि/समय 24.06.2026 15:00 बजे बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैनुअल ऑफर को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आई.आर.ई.पी.एस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीद, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

करार का प्रकार	काम करता है		
कार्य का नाम	जम्मू संभाग के JAT-SVDK सेक्शन में बीपीएसी आधारित यूएसी को यूएफएसबीआई और एचएएसडीएसी से प्रतिस्थापित किया जाएगा।		
निविदा समापन तिथि समय	24.06.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि और समय	02.06.2026 18:13
विज्ञापित मूल्य (रु.)	8153403.59	आईआरईपीएस के अनुसार बोली प्रारंभ तिथि	10.06.2026
बयाना राशि (रु.)	163100.00	समापन की अवधि	6 महीने

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **1895/26**

वेद ज्ञान से ही मानवता का कल्याण संभव

कठुआ, 04 जून (हि.स.)। वेद मन्दिर, योल में आयोजित 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 54वें दिन स्वामी राम स्वरूप जी योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को ऋग्वेद मन्त्र 10/53/6 का अर्थ समझाते हुए कहा कि ईश्वर ने सम्पूर्ण मानव जाति को वेद मन्त्रों के मनन-चिन्तन का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि महाभारत काल तक समाज में वेदाध्ययन, यज्ञ, अग्निहोत्र और विद्वानों के संग से शांति और समृद्धि बनी रही। किन्तु महाभारत युद्ध के बाद इन शुभ कर्मों का त्याग होने से वेद ज्ञान का प्रकाश क्षीण हो गया और संसार में अज्ञान का विस्तार हुआ।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मंडल में ई-नीलामी में आमंत्रित किया जाता हैः

SN	Catalogue No.	Nature of contract
ई-नीलामी की तिथिः **09.06.2026**		
1	EAFZR-ADVT 26-15	ट्रेन संख्या 14620/19 के डिब्बों के बाहरी हिस्से पर विनाइल रैपिंग द्वारा विज्ञापन अधिकार हेतु ठेके का आबंटन।
ई-नीलामी की तिथिः **16.06.2026**		
2	EAFZR-PRKG 26-7	लुधियाना रेलवे स्टेशन पर कॉम्प्रेहेंसिव पार्किंग के लिए ठेके का आबंटन।
ई-नीलामी की तिथिः **17.06.2026**		
3	EAFZR-ADVT 26-16	ट्रेन संख्या 14680/79/82/81, 14622/21/26/25, 12408/07 & 20424/23 के डिब्बों के बाहरी हिस्से पर विनाइल रैपिंग द्वारा विज्ञापन अधिकार हेतु ठेके का आबंटन।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए कृप्या, रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **1878/26**

TECHNICAL EVALUATION

Sub: -Shifting/installation of HC pump set and voltage stabilizer at Filling station Baryal.
Ref: -e-NITNo. 14 of 2026-27 dated 21-05-2026.

e-Notice inviting tenders for Shifting/installation of HC pump set and voltage stabilizer at Filling station Baryalof Jal Shakti PHE Mech. Division Udhampurunder SANJY 2026-27 having tender ID 2026_PHE_310571_1was floated on 21-05-2026www.jktenders.gov.inwith due date on 29-05-2026technical bid opened on 03-06-2026. For the work 03 nos. biddershave uploaded the documents in cover -1 (Technical bid).

As such the Technical Bid Evaluation Report (TBER) was framed and from the perusal of the same, the below noted observations were made by the contract committee: -

Sl.	Description	Bidder -1 M/S Aadishwar Electrical & Mech works Jammu	Bidder-2 M/S Jai-Ma Electricals Jammu	Bidder-3 M/S Vaibhav Engineers and Technocrats
1	Scanned copy of valid proof of bidder(s) registered as Govt. contractor or firm or company or Industrial Unit etc. Bidder(s) without valid GSTIN will not be accepted.	Enclosed	Enclosed	Enclosed
2	Scanned copy of tender fee in the shape of Treasury Receipt / e-challan / Receipt of deposit of RTGS/NEFT in favour of Tender Inviting Authority.	Enclosed The tender fee of Rs.500.00 has been deposited vide Treasury challan	Enclosed The tender fee of Rs. 500.00 has been deposited directly into XEN A/C	Enclosed The tender fee of Rs. 500.00 has been deposited directly into XEN A/C
3	Scanned copy of EMD in the shape of CDR/FDR pledged to Tender inviting authority.	Enclosed TDR no. 141873 dt. 26-05-2026 of Rs. 3080/- of J&K Bank Ltd. Nehru Market Jammu	Enclosed TDR no. 599540 and 599539 dt. 26-05-26 of Rs. 2275/- and 5000/- respectively of J&K Bank Chand Nagar, Jammu	Enclosed TDR no. 599541 dt. 26-05-2026 of Rs. 3080/- of J&K Bank Ltd. Chand Nagar Jammu
4	Scanned copy of the latest Income Tax Return	Enclosed	Enclosed	Enclosed
5	Scanned copy GST IN and latest GST return in FORM GST-3B of the both quarter / months.	Enclosed	Enclosed	Enclosed
6	Scanned copy of Pan Card.	Enclosed	Enclosed	Enclosed
7	Scanned copy of "UNDERTAKING"	Enclosed	Enclosed	Enclosed
8	Scanned copy of Financial Turnover Certificate (on CA's letter head)	Enclosed	enclosed	Enclosed
9	Experience of similar nature of works	Enclosed	Enclosed	Enclosed
10	Scanned copy of Legal Affidavit duly notarized, certifying the following lines in the affidavit by the authorized Signatory of the firm for this tender. The Bidder is not blacklisted / debarred by any of the Central / State / UT Government / Board / Corporation / PSU, as procuring entity in India on the date of the submission of the Bid. Has not been declared bankrupt by any in situation or Government. Has not been adjudged by any court to flaw of the land as insolvent. Declaration that the Bidder has read and understood the terms and conditions of the bid documents, scope of work / quantities involved / technical specifications of the works and the equipment and have also visited and understood the working conditions of site and that there are no further clarifications or deviations required to execute the work as per e-NIT, if allotted.	Enclosed	Enclosed	Enclosed

The contract committee, after perusal of documents and deliberations on the technical bid submitted by the bidders,found that the bidders havefulfilled the conditions of the technical bid. Hence the tender opening committee decided to proceed with the opening of the financial cover.

Sd/

Assistant Executive Engineer
Jal Shakti PHE Mech. Sub- Division
Udhampur

AAO
Technical Officer

DIP/J-3120/26
Dtd: 4-6-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti PHE Mech. Division
Udhampur

सोनावारी के विकास कार्यों की समीक्षा, कई योजनाएं उद्घाटन को तैयार

श्रीनगर, 04 जून (हि.स.)। जल शक्ति, वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने गुरूवार को सिविल सचिवालय में सोनावारी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के चल रहे प्रोजेक्ट्स और जनकल्याण योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और विभागों के बीच बेहतर समन्वय रखा जाए। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं, नहरों की सफाई, जल स्रोतों के संरक्षण और हैंडपंप लगाने के कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि जल जीवन मिशन के तहत 21 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और जल्द ही उनका उद्घाटन किया जाएगा जिससे क्षेत्र में पेयजल सुविधा बेहतर होगी।

विधायक हिलाल अकबर लोन ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं उठाईं जिनमें लकड़ी डिपो की स्थापना, जंगली सूअरों से हो रही परेशानी और वुलर झील के संरक्षण का मुद्दा शामिल रहा। मंत्री ने संबंधित विभागों को इन मामलों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि सरकार समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा आम जनता तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना प्राथमिकता है।

संपादकीय

शेड्यूल दवाओं की निगरानी और नियमन

शेड्यूल दवाएं प्रिस्क्रिप्शन वाली दवाओं की एक खास श्रेणी को कहते हैं, जिनका ज़िक्र ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 में किया गया है। इन दवाओं को केमिस्ट की दुकानों से सिर्फ़ नाम बताकर नहीं खरीदा जा सकता, क्योंकि इन दवाओं को खरीदने के लिए किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर (चिकित्सक) के वैध और हस्ताक्षरित प्रिस्क्रिप्शन (पर्चे) की ज़रूरत होती है।

यह अच्छी बात है कि जम्मू ज़िले में नशा-विरोधी पहलों के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए आयोजित ज़िला-स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र की बैठक के दौरान, ज़िलाधिकारी ने सहायक औषधि नियंत्रक को शेड्यूल दवाओं के स्टॉक और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। यह युवाओं और अन्य लोगों को नशे की लत से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि प्रिस्क्रिप्शन वाली दवाओं की श्रेणी में आने वाली कई दवाओं का दुरुपयोग नशे के लिए किया जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

इसलिए, DM के निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। इसके लिए ऐसी दवाओं की बिक्री और स्टॉक की स्थिति को नियमित और मॉनिटर किया जाना ज़रूरी है। ये दवाएं नशीले पदार्थों के विकल्प के तौर पर काम कर सकती हैं और नशे के आदी लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद कर सकती है। DM ने एक कड़े संदेश में संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे शेड्यूल दवाओं की श्रेणी में आने वाली हर एक गोली पर नज़र रखें।

उन्होंने साफ़ शब्दों में और स्पष्ट रूप से यह चेतावनी दी है कि जो भी संस्थान दवाओं के स्टॉक और बिक्री का उचित रिकॉर्ड रखने में विफल रहेगा, उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शेड्यूल दवाओं की श्रेणी में आने वाली जिन दवाओं को खरीदने के लिए वैध प्रिस्क्रिप्शन की ज़रूरत होती है, उनमें अल्प्राज़ोलम, डायजेपाम, ट्रामाडोल आदि शामिल हैं।

पूरे जम्मू-कश्मीर में 100-दिवसीय नशा मुक्त अभियान को सफलतापूर्वक चलाने के लिए प्रशासन बधाई का पात्र है। इस चल रहे अभियान के दौरान कई लक्ष्य हासिल किए गए हैं। सरकार और जनता का उत्साह सचमुच इतना ज़बरदस्त है कि जब तक कोई इसे अपनी आँखों से न देख ले, तब तक इसके प्रभाव का पूरी तरह से अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। नशे की समस्या से प्रभावित परिवारों सहित सभी संबंधित पक्षों की इस अभियान में भागीदारी को देखकर ही उस पर विश्वास किया जा सकता था।

कुल मिलाकर, शेड्यूल दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और समाज-विशेषकर युवाओं-को सुरक्षित रखने के लिए, इन दवाओं की बिक्री और स्टॉक पर कड़ी निगरानी रखने की सख्त ज़रूरत है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी केमिस्ट या मेडिकल संस्थान नियमों को हल्के में न ले और उनके पालन में किसी भी तरह की कोताही न बरते। सभी संबंधित पक्षों को ऐसे कदम उठाने चाहिए जिनसे यह सुनिश्चित हो सके कि शेड्यूल दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए ही हो, न कि नशे के लिए। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ़ सख्ती से निपटा जाना चाहिए, ताकि युवाओं को नशे की इस बुराई से बचाया जा सके। इस संबंध में अधिकारियों की एक बड़ी ज़िम्मेदारी है, और इसलिए संबंधित पक्षों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति उन दवाओं की अवैध बिक्री में शामिल न हो, जो किसी योग्य चिकित्सा विशेषज्ञ की सलाह के बिना लेने पर नुकसान पहुँचाने की क्षमता रखती है।

ग्रेट निकोबार- भारत की समुद्री रणनीति का प्रमुख केंद्र

जो राज्य अपनी सीमाओं, साझेदारियों और व्यापार मार्गों की सुरक्षा नहीं करता, वह अपने भविष्य को भी सुरक्षित नहीं रख सकता।

एडमिरल डी. के. जोशी

– कौटिल्य

कौटिल्य की यह सीख सदियों पहले ही शासन और रणनीति की मूल सोच का हिस्सा बन चुकी थी, और आज के समय में यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक होकर सामने आई है। आज देशों की परीक्षा केवल उनकी अर्थव्यवस्था के आकार या सैन्य ताकत से नहीं हो रही, बल्कि इस बात से हो रही है कि वे भूगोल को कितनी अच्छी तरह समझते हैं, भविष्य का कितना सही अनुमान लगाते हैं और अवसर के खतरे में बदलने से पहले कितनी तेजी से निर्णय लेते हैं। ग्रेट निकोबार भारत के लिए ऐसी ही एक बड़ी परीक्षा है।

यह भारतीय मानचित्र के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर स्थित एक दूरस्थ द्वीप जैसा प्रतीत होता है। ऐसी जगह जिसे दशकों से लगभग अछूता छोड़ दिया गया है और जिसे वैसे ही रहने देना चाहिए। परंतु ग्रेट निकोबार भारत की अग्रिम समुद्री चौकी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के समीप स्थित यह द्वीप दुनिया की ओर भारत की सबसे अहम सामरिकअवसर में से एक है।

अतः ग्रेट निकोबार के प्रस्तावित विकास को केवल एक अवसंरचना परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल एक बंदरगाह, हवाई अड्डा, टाउनशिप या बिजली संयंत्र बनाने का प्रश्न नहीं है। यह वास्तव में इस बात की सामरिक परीक्षा है कि क्या भारत अपनी इस दुर्लभ भौगोलिक बढ़त को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए तैयार है।

सदियों से हिंद महासागर ने भारत की नियति को आकार दिया है। इसी समुद्री क्षेत्र ने हमारे व्यापार, हमारे विचारों और हमारे सभ्यतागत प्रभाव को विश्व भर में पहुंचाया, परन्तु कई बार यही हमारी कमजोरियों का कारण भी बना। तथापि, स्वतंत्रता के पश्चात् लंबे समय तक भारत की सामरिक सोच मुख्य रूप से स्थल-आधारित रही।

यह निर्विवाद है कि ग्रेट निकोबार अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक स्थान है। यह अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीपों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्तावित परियोजना का कुल क्षेत्रफल 166.10 वर्ग किलोमीटर है, जो सम्पूर्ण द्वीपसमूह के कुल क्षेत्रफल का केवल लगभग 2 प्रतिशत है। इसमें से 130.75 वर्ग किलोमीटर वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग में लाने का प्रस्ताव है, जो द्वीप समूह के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82 प्रतिशत है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60चैनल, सुंडा स्ट्रेटऔर लोम्बोक स्ट्रेटजैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। वास्तविक सामरिक दृष्टि से देखें तो यह भारत की पूर्वी समुद्री चौकी है।

इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। कल्पना कीजिए उन जहाजों की, जो अदन की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे हैं,ऊर्जा से भरे मालवाहक जहाज, जो पश्चिम एशिया और अफ्रीका से पूर्वी एशिया की ओर जा रहे हैं,एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाला कंटेनर यातायाततथा नौसैनिक संसाधन, निगरानी मंच और लॉजिस्टिक श्रृंखलाएँ, जो इन जलमार्गों से होकर गुजर रही हैं। हिंद महासागर अब शांत समुद्र नहीं रहा। यह तेजी से एक भीड़भाड़ वाले सामरिक क्षेत्र में बदल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर यातायात, नौसैनिक तैनाती, द्वीपीय सुविधाएं, समुद्र के नीचे बिछी केबलें और समुद्री निगरानी अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी हैं। यह शायद मुख्य भूमि पर बैठे कई लोगों को दिखाई न दे, परन्तु देशों के भविष्य के लिए यह बेहद निर्णायक है।

हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी से जोड़ने वाली दशकों पुरानी कैनल परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। इसके स्थान पर अब लगभग 90 किलोमीटर लंबे मल्टी-मोडल लैंड ब्रिज की योजना अंतिम स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। यह परियोजना टेंथ पैरेलल के साथ दो नव-डिज़ाइन किए गए गहरे समुद्री बंदरगाहों को जोड़ेगी — एक अंडमान सागर के किनारे रणोंग में और दूसरा थाईलैंड की खाड़ी के किनारे चुम्फोन में। इसके साथ दोहरी ट्रैक्स वाली उच्च गति रेल, बहु-लेन सड़क, तेल एवं गैस के लिए ऊर्जा पाइपलाइनें तथा वायु एवं डिजिटल ग्रिड भी प्रस्तावित हैं। ये सभी कारक मिलकर इंडो-पैसिफिक व्यापार मार्गों को पूरी तरह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं और आर्थिक शक्ति का केंद्र सीधे अंडमान बेसिन की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं। मलक्का स्ट्रेट विश्व के सबसे महत्वपूर्ण सामुद्रिक चोकपॉइंट्स में से एक है। यह हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है और अत्यंत मूल्यवान ऊर्जा संसाधनों (तेल और एलएनजी) तथा वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ग्रेट निकोबार की गलाथिया खाड़ी 60 चैनल से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, जो मलक्का स्ट्रेट को अफ्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप की ओर जाने वाले समुद्री मार्गों से जोड़ती है। अनुमान है कि हर साल लगभग एक लाख जहाज मलक्का स्ट्रेट60चैनल मार्ग से गुजरते हैं। मलक्का, सुंडा और लोम्बोक जैसे सामरिक चोकपॉइंट्स के निकट स्थित होने के कारण यह द्वीप भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त प्रदान करता है। कोई भी गंभीर सामुद्रिक शक्ति ऐसे भौगोलिक तथ्यों की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती। हिंद महासागर क्षेत्र में अनेक शक्तिशाली देश बंदरगाहों, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं, समुद्री पहुँच सुविधाओं, नौसैनिक संसाधनों, निगरानी प्रणालियों और आर्थिक गलियारों के माध्यम से निरंतर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। भारत का उत्तर संकोचपूर्ण नहीं हो सकता। उसका उत्तर सामरिक सुदृढ़ीकरण होना चाहिए। संप्रभुता केवल मानचित्र पर सीमाएँ खींच देने से सुदृढ़ नहीं होती। वह तब सशक्त होती है जब कोई भूभाग जुड़ा हुआ, आबाद, सुविधायुक्त, उत्पादक और सामरिक रूप से उपयोगी बनता है। अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, टाउनशिप और विद्युत संयंत्र अलग-अलग परियोजनाएँ नहीं हैं। ये सभी मिलकर उस पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का निर्माण करते हैं, जिसकी सहायता से भारत एक निर्णायक सामुद्रिक स्थान पर विश्वसनीय, सतत और बहुआयामी उपस्थिति बनाए रख सकता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने समुचित जांच-पड़ताल और आपत्तियों के निस्तारण के बाद यह स्वीकार किया कि यह परियोजना केवल द्वीप और उसके आसपास के सामरिक क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए ही नहीं, बल्कि रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिंगापुर केवल इसलिए एक महान सामुद्रिक केंद्र नहीं बना क्योंकि उसका भौगोलिक स्थान अनुकूल था। उसने उस स्थान के आस-पास आवश्यक क्षमताओं का निर्माण किया। भौगोलिक स्थिति ने उसे अवसर दिया, और उसके अवसंरचनात्मक विकास ने उस अवसर को प्रभाव में परिवर्तित किया।हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह दर्शाता है कि कोई दूरस्थ द्वीप भी, यदि उसे लॉजिस्टिक और परिचालन अवसंरचना से सुसज्जित किया जाए, तो असाधारण सामरिक महत्व प्राप्त कर सकता है। सामुद्रिक शक्ति केवल भूगोल से नहीं बनती; वह भूगोल का उपयोग करने की आवश्यक क्षमता विकसित करने से निर्मित होती है।

ग्रेट निकोबार भारत को यह सब एक संतुलित और विशिष्ट भारतीय दृष्टिकोण के साथ करने का अवसर प्रदान करता है। यह व्यापार को बढ़ावा दे सकता है और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, विदेशी ट्रांसशिपमेंट केंद्रों पर निर्भरता कम कर सकता है,साथ हीभारत की सामुद्रिक पहुँच को विस्तारित कर सकता है तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक प्रवेश द्वार और व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक सामरिक मंच के रूप में कार्य कर सकता है।ग्रेट निकोबार में एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट भारत के उस सामग्री पर निर्भरता को कम कर सकता है जिसे वर्तमान में विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से ट्रांसशिप किया जाता है। इससे सप्लाई चेन सुदृढ होगी, निवेश आकर्षित होगा, रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और भारत को अपने सामग्री की आवाजाही पर अधिक नियंत्रण और निश्चितता प्राप्त होगी। निस्संदेह, ग्रेट निकोबार पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इस स्तर की किसी भी परियोजना को पारिस्थितिक सावधानी, कानूनी अनुपालन, वैज्ञानिक निगरानी और वास्तविक शमन उपायों के साथ लागू किया जाना चाहिए। विकास लापरवाह नहीं हो सकता।लेकिन पर्यावरणीय संवेदनशीलता को सामरिक चिंतन पर स्थायी वीटो का आधार भी नहीं बनाया जा सकता।

(लेखक वर्तमान में अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल तथा द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष हैं। वे भारतीय नौसेना के पूर्व नौसेना प्रमुख रह चुके हैं और वर्ष 2009-10 के दौरान अंडमान तथा निकोबार कमानके कमांडर-इन-चीफ भी रहे हैं।)

खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओर-दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

श्री चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि-जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ता तक पहुँचने की प्रक्रिया में अभी तक बहुत अधिक मूल्य नष्ट हो जाता है—जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक चूका हुआ अवसर है। भारत इस विरोधाभास का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक तथा फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं,भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में मौजूद कमियों के कारण खाद्य पदार्थों की बड़ी मात्रा में हानि होती रहती है। इससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की दिशा में होने वाली प्रगति प्रभावित होती है।यह केवल अक्षमता भर नहीं है, बल्कि चूका हुआ अवसर भी है। बर्बाद होने वालेखाद्य पदार्थों का प्रत्येकक टन, किसानों की खोई हुई आमदनी, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए, इस हानि को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है।यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से तथा स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्प दन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएं हैं। लेकिन अब अगले चरण मेंमूल्य सृजन, रोजगार के अवसरों के सृजन, किसानों की आय में वृद्धिऔर पोषण संबंधी परिणाम बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में,वर्तमान में कृषि उपज का केवल लगभग17 प्रतिशतहिस्सा ही प्रसंस्कृत किया जाता है। क्षेत्र की पूर्ण आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर2030 तक लगभग 25 प्रतिशतकरना आवश्यक है। साथ ही, कटाई के बाद होने वाली खाद्य हानियों को कम करना और प्रसंस्करण से जुड़े तंत्रों को मजबूत बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, ताकि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक मूल्य बनारहे। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों कीभंडारण अवधि बढ़ाता है, खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है तथा नए और घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुँच के अवसर प्रदान करता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आर्थिक मूल्य के बड़े हिस्से को उत्पादक देशों के भीतर ही बनाए रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

इस परिवर्तन को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण —उत्पादन और संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने में समन्वित निवेश की आवश्यकता होगी। गुणवत्ता, सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी तथा लागत-प्रभावशीलता के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य होगा।

दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि-जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएँ प्रदान करती है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविधतापूर्ण, पौष्टिक और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। साथ ही, डिजिटल समाधान ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। निवेश को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए व्यावसायिक वातावरण को मजबूत बनाना, जोखिमों को कम करना तथा प्रभावीसार्वजनिक-निजी साझेदारीको बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाजैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं। ये कदम बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार करने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमोंको समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिससे अधिक गतिशील, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के लिए नींव रखी जा रही है।

खाद्य प्रसंस्करण केवल आर्थिक दक्षता के बारे में ही नहीं है—यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं, जबकि कृषि क्षेत्र अकेले अब इस बढ़ती हुई श्रम शक्ति को समाहित करने में सक्षम नहीं है। ऐसे में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। उत्पादन केंद्रों के निकट उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार सृजित करता है। साथ ही, यह उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान करता है, जिससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ने, औपचारिक बनने और आधुनिक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। यही इस क्षेत्र की वास्तविक संभावनाएँ निहित हैं—केवल खाद्य में मूल्य जोड़ने में नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर सार्थक रोजगार सृजित करने में,विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में तथा महिलाओं और युवाओं के लिए।

भारत के प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। जिस प्रकार नए व्यापार समझौते बाज़ार के अवसर उत्प न्ना कर रहे हैं, ऐसे में अब ध्यान कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यात से हटकर उच्च मूल्य वाले प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात की ओर केंद्रित होना चाहिए।

वैश्विक उपभोक्ता अब ऐसे खाद्य पदार्थों की अधिक मांग कर रहे हैं जो सुरक्षित, पौष्टिक, ट्रेस करने योग्य और सतत रूप से उत्पादित हों। इससे गुणवत्ता, मानकों और नवाचार का महत्व और बढ़ जाता है—ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है।

इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए तकनीक, गुणवत्ता अवसंरचना, ट्रेसबिलिटी प्रणालियों और ब्रांडिंग में और अधिक निवेश करना आवश्यक होगा। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण उत्पादकों और उद्यमों को मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में सक्षम बनाएगा। खाद्य हानि को कम करना भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव घटाने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। साथ ही, अपशिष्ट मूल्यवर्धन-अर्थात कृषि उप-उत्पादों को नए उत्पादों में बदलने की दिशा में रहे नवाचार भी नए आर्थिक अवसरों को जन्मष दे रहे हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को भी कम कर रहे हैं। सतत खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्ट म सभी आयामों में मूल्य प्रदान करता है- बेहतर पोषण परिणामों में सहायता करता है, पर्यावरणीय पदचिह्नों को घटाता हैऔर मूल्य श्रृंखला में आय तथा रोजगार के अवसर बढ़ाता है इस क्षण की विशेषता यह है कि यह केवल किसी एक देश के बारे में नहीं है—बल्कि पूरे क्षेत्र के साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर है।

दक्षिण एशियाई देश साझा चुनौतियों- खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं, सीमित प्रसंस्करण क्षमता और कटाई के बाद होने वाली उच्च स्तर की खाद्य हानि- का सामना कर रहे हैं,लेकिन ये साझा बाधाएँ साझा समाधानों के अवसर भी उत्पदन्न- करती हैं।

साउथ एशियन पॉलिसी लीडरशिप फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन एंड ग्रोथ (एसएपीएलआईएनजी)जैसे क्षेत्रीय मंच इस परिवर्तन को गति देने में मदद कर रहे हैं—सहयोग, ज्ञान केआदान-प्रदान और निवेश का ऐसा स्थान तैयार कर रहे हैं, जिसे कोई भी देश अकेले हासिल नहीं कर सक ता ।अनलॉ कि ंगवै ल्यू डायलॉ गइसी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है- यह पूरे क्षेत्र के नीति-निर्माताओं, नवाचारकर्ताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों और विकास साझेदारों को एक साथ लाकर ऐसे संबंध स्थापित करता है, ज्ञान साझा करता है और साझेदारियाँ बनाता है, जो बेहतर रोजगार और अधिक मजबूत खाद्य प्रणालियों में परिवर्तित हो सकें। उत्पादन और नीतिगत नवाचार दोनों में अग्रणी होने के नातेभारतकोइस क्षेत्रीय परिवर्तन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

हम या तो आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में मूल्य की हानि जारी रख सकते हैं, या फिर ऐसी आधुनिक और एकीकृत मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण कर सकते हैं, जो हर स्तर पर मूल्य का सृजन करें और उसे बनाए रखें। हम कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यातक बने रह सकते हैं, या फिर उच्च मूल्य वाले, टिकाऊ खाद्य उत्पादों में अग्रणी बन सकते हैं खेतों से लेकर उद्यमों तक, और स्थानीय बाज़ारों से वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक—खाद्य प्रणालियों का यह रूपांतरण इस क्षेत्र के आर्थिक भविष्य को परिभाषित करेगा। नीति, निवेश और साझेदारी के सही संयोजन के साथ, दक्षिण एशिया खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओर बढ़ सकता है।

(लेखक केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं)

मालवीय नगर अग्निकांड- जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

– डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त कर भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें- क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है- सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सबकुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं।

मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है- क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फ्रेंच ओपनः माजा च्वालिन्स्का ने अन्ना कालिंस्काया को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा का अगला मुकाबला गुरुवार को पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की। पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं। पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

फ्रेंच ओपनः चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरुआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली। इसके बाद विश्राम के दौरान अपने सहयोगी दल की सलाह पर उन्होंने मुकाबले से नाम वापस ले लिया। विश्व रैंकिंग में 104वें स्थान पर मौजूद अर्नाल्डी ने इस टूर्नामेंट में शानदार संघर्ष दिखाया है। क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने कोर्ट पर कुल 17 घंटे 42 मिनट बिताए। अब सेमीफाइनल में उनका सामना एक और इतालवी खिलाड़ी फ्लावियो कोबोली से होगा। इससे यह तय हो गया है कि रविवार को होने वाले पुरुष एकल फाइनल में एक इतालवी खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा। मैच के बाद अर्नाल्डी ने कहा, 'यह मुश्किल स्थिति है। हम दोनों ने काफी लंबे मुकाबले खेले थे, इसलिए सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना आसान नहीं था। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी का टूर्नामेंट इस तरह खत्म हो। '

कमिंस अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने उम्मीद जताई है कि वह अगले 12 महीनों में टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उन्होंने माना कि ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी के लिए पूरे कार्यक्रम में लगातार खेलना आसान नहीं होगा। पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद कमिंस ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की थी। वापसी के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं।कमिंस ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 के प्रसारण से जुड़े अमेज़न प्राइम वीडियो के एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनकी फिटनेस रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य आई है और अब उनका ध्यान टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने पर है। उन्होंने कहा कि अगला लक्ष्य एक दिन में लंबा गेंदबाजी स्पेल करने और अगले दिन फिर उसी स्तर पर खेलने की क्षमता हासिल करना है। ऑस्ट्रेलिया के लिए आने वाला एक वर्ष बेहद व्यस्त रहने वाला है, जिसमें टीम अधिकतम 21 टेस्ट मैच खेल सकती है। इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरा, भारत दौरा, इंग्लैंड में एशेज श्रृंखला, न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मुकाबले, मेलबर्न में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट और संभावित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल शामिल हैं। कमिंस ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सभी टेस्ट खेलने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन पूरे कार्यक्रम में एक ही तेज गेंदबाजी तिकड़ी का बने रहना कठिन होगा।

आईसीसी प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश दौरे में शासन और चुनावी मामलों पर हितधारकों से की चर्चा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में बांग्लादेश का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से जुड़े प्रशासनिक और चुनावी मामलों में हुए हालिया घटनाक्रमों की समीक्षा करना था। इस प्रतिनिधिमंडल में आईसीसी बोर्ड निदेशक डॉ. मोहम्मद एएस मूसाजी (क्रिकेट साउथ अफ्रीका) और तावेंगा मुकुहलानी (जिम्बाब्वे क्रिकेट) शामिल थे। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें कर स्थिति का आकलन किया। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि प्रतिनिधिमंडल अपनी रिपोर्ट और टिप्पणियां उचित समय पर आईसीसी बोर्ड को सौंपेगा।साथ ही आईसीसी ने यह भी कहा कि इस मामले पर प्रतिनिधिमंडल की ओर से कोई सार्वजनिक या मीडिया टिप्पणी नहीं की जाएगी।

हिप इंजरी की वजह से मैटेओ बेरेटिनी फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर, बोले-यह जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं

एजेंसी

पेरिस । फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के टेनिस खिलाड़ी मैटेओ बेरेटिनी का सफर चोट के कारण खत्म हो गया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान हिप इंजरी (कूल्हे की चोट) की वजह से उन्हें मुकाबले को बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते मैटेओ अर्नाल्डी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। अर्नाल्डी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेरेटिनी के खिलाफ 5-7, 2-5 से पीछे चल रहे थे। हालांकि लगातार दर्द बढ़ने की वजह से बेरेटिनी को मैच बीच में ही छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मैच में पहले सेट के दौरान बेरेटिनी ने लगभग 76 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन दूसरे सेट में उनकी चोट और गंभीर हो गई। उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया और कुछ देर के लिए कोर्ट से बाहर गए। इसके बाद उन्होंने थोड़ी देर तक खेलने की

कोशिश की, लेकिन दर्द ज्यादा होने की वजह से उन्हें मैच छोड़ना पड़ा। इस जीत के साथ 104वीं रैंक वाले मैटेओ अर्नाल्डी ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह आधुनिक युग में महज दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल मैच विपक्षी खिलाड़ी के इंजरी की वजह से रिटायर होने के कारण जीता है। इंजरी के कारण बाहर होने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मैं आखिरी इंसान हूं जो रिटायर होना चाहता है। मैं इससे बहुत थक गया हूं। मैं बस ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है। बहुत से खिलाड़ियों ने पहले ऐसा किया है और यह अब तक का सबसे बुरा एहसास है, लेकिन यह करना सही है, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं है और मुझे अपने भविष्य के बारे में सोचना है। मुझे अपनी रिकवरी के बारे में सोचना है। '

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि यह बहुत बुरा नहीं होगा। मैं जाहिर तौर पर निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं खेलता रहता, तो मेरा प्रदर्शन और भी बुरा होता और शायद ठीक होने में ज्यादा समय लगता। दुर्भाग्य से मेरे पास रिटायर होने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था।' बेरेटिनी ने उम्मीद जताई कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी और जल्द ही उनके स्कैन रिपोर्ट से स्थिति साफ होगी। विश्व के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी बेरेटिनी साल 2022 में हुए यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

वनडे सीरीजः ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती 2 मुकाबलों के लिए बांग्लादेशी टीम घोषित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 जून से तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। शुरुआती 2 मैच के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम का ऐलान किया है। मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज मोसाद्देक हुसैन और विकेटकीपर-बल्लेबाज नुरुल हसन को वापस बुलाया है, जबकि महिदुल इस्लाम अंकोन और अफीफ हुसैन को टीम से बाहर कर दिया गया है। 30 वर्षीय मोसाद्देक ने आखिरी बार अगस्त 2022 में बांग्लादेश के लिए वनडे खेला था, लेकिन ढाका प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है। मोसाद्देक ने अब तक 5 मुकाबलों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से 16.27 की औसत से 11 विकेट भी लिए हैं। मिडिल-ऑर्डर को मजबूती देने के लिए नुरुल को बुलाया गया है, क्योंकि महिदुल और अफीफ चयनकर्ताओं की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए थे। इन दोनों की वापसी ऐसे समय में हुई है, जब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए वनडे मुकाबलों में बांग्लादेश की बल्लेबाजी संघर्ष करती नजर आई है।

तंजीद हसन और नजमुल हुसैन शांतो ही ऐसे बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने लगातार रन बनाए। दूसरी तरफ, सैफ हसन, तौहीद हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज अपने पिछले अच्छे प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रहे हैं।

नाहिद राणा, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान और शोरिफुल इस्लाम के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे।

टीम इंडिया को लगा बड़ा झटका, अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर विराट कोहलीः रिपोर्ट्स

एजेंसी

नई दिल्ली । टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होनी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की इंजरी से जूझ रहे हैं और इसी कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज में खेलते नजर नहीं आएंगे। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कोहली को यह चोट कब और कहां लगी है। हालांकि, माना जा रहा है कि विराट रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच हुए आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में चोटिल हुए हैं। कोहली की गैरमौजूदगी भारतीय टीम के लिए दोहरा झटका मानी जा रही है। गौरतलब है कि रोहित शर्मा भी इंजरी से जूझ रहे हैं और उनके वनडे सीरीज में खेलने पर संशय बरकरार है। रोहित और हार्दिक पांड्या को वनडे टीम में जगह दी गई है लेकिन दोनों ही खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला

13 जून को धर्मशाला में खेला जाना है। इसके बाद सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ में खेला जाएगा। वहीं, तीसरे और अंतिम मैच की मेजबानी चेन्नई का एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जो 20 जून को खेला जाना है।

आईपीएल 2026 में विराट कोहली का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा। कोहली आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर रहे। उन्होंने 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। कोहली ने टूर्नामेंट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में विराट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 42 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली और वह नाबाद रहे। कोहली ने खिताबी मुकाबले में अपने आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी (25 गेंद) भी लगाई। इसके साथ ही उन्होंने छक्का लगाकर आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया।

आकाश चोपड़ा ने बताई वजह, क्यों भारतीय टी20 टीम में अभी वैभव सूर्यवंशी को जगह मिलना मुश्किल

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में शामिल करने की मांग उठ रही है। हालांकि पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि अभी वैभव को टी20 टीम में जगह मिल पाना मुश्किल है। आकाश चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में बताया कि संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की मौजूदगी में वैभव को भारत की टी20 टीम में जगह मिल पाना मुश्किल है। आकाश ने कहा कि सैमसन का प्रदर्शन टी20 विश्व कप 2026 में लाजवाब रहा था और वह 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे थे। ऐसे में सैमसन की जगह पर वैभव को टीम में लाना उचित नहीं होगा। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अभिषेक शर्मा भी क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अभिषेक लंबे समय से टी20 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। यही वजह है कि उनकी जगह पर वैभव को टीम में अभी मौका देना सही नहीं होगा।आकाश चोपड़ा ने माना कि 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव होनदार और शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन अभी उन्हें भारतीय टी20 टीम में आने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। गौरतलब है कि वैभव को श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 9 जून से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 21 जून को खेला जाना है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस सीरीज में वैभव का प्रदर्शन कैसा रहता है।आईपीएल 2026 में वैभव का बल्ला खूब गरजा और उन्होंने 16 मुकाबलों में 237 के स्ट्राइक रेट से

खेलते हुए 776 रन बनाए। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने एलिमिनेटर और फिर दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की। वैभव ने टूर्नामेंट के दौरान क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा और वह एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने। वैभव ने आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए।

बचपन में पोलिया का शिकार, मगर नहीं मानी हार, पैरालंपिक गेम्स में देश के लिए जीता गोल्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शुमार प्रमोद भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग में कई अंतरराष्ट्रीय खिताब जिताए हैं। प्रमोद भगत की मेहनत, अनुशासन और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें विश्व स्तर पर सम्मान दिलाया, जिसने खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। 4 जून 1988 को जन्मे प्रमोद मूलतः बिहार से हैं, लेकिन परिवार ओडिशा के बरगढ़ जिले के अट्टाबीरा में रहता है। जब प्रमोद महज 5 साल के थे, तो उन्हें पोलियो हो गया, जिससे बाएं पैर में दिव्यांगता आ गई। हालांकि, इसे प्रमोद ने अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। प्रमोद के पिता रामा भगत गांव में खेती करते थे। प्रमोद की बुआ किशनु देवी को संतान नहीं थी, उन्होंने प्रमोद को गोद ले लिया और बेहतर इलाज के लिए प्रमोद को अपने साथ ओडिशा ले आईं।

प्रमोद ने ओडिशा से ही अपनी पढ़ाई की। इंटर के बाद आईटीआई किया। प्रमोद को पढ़ाई के साथ खेल

में भी दिलचस्पी थी। 13 साल की उम्र में प्रमोद एक बैडमिंटन मैच देखने गए, जिसके बाद इस खेल में रुचि गहरी हो गई। प्रमोद कई-कई घंटों तक बैडमिंटन का अभ्यास करने लगे।महज 15 साल की उम्र में प्रमोद ने सामान्य श्रेणी के खिलाड़ियों के खिलाफ अपना पहला टूर्नामेंट खेला, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार जिला चैंपियन का खिताब जीता।साल 2009 में प्रमोद ने वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता। इसके बाद साल 2013, 2015, 2019, 2022, 2024 और 2026 में भी गोल्ड जीते। साल 2018 और 2022 के एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीतने वाले प्रमोद ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक गेम्स के मेंस सिंगल्स इवेंट में देश के लिए गोल्ड जीता। खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमोद भगत को साल 2019 में 'अर्जुन अवॉर्ड' से नवाजा गया, जिसके बाद साल 2021 में 'मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। साल 2022 में प्रमोद 'पद्म श्री' से सम्मानित हुए।

प्रमोद भगत अपने संघर्ष, अनुशासन और उपलब्धियों के कारण खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। शारीरिक चुनौती के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत से वर्ल्ड चैंपियन और पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट बनने का गौरव हासिल किया। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

बेन स्टोक्स के नंबर 7 पर खेलने के फैसले पर इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने उठाया सवाल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए कप्तान बेन स्टोक्स के बल्लेबाजी क्रम में नंबर सात पर आने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। मार्क बुचर ने विजडन क्रिकेट वीकली पॉडकास्ट पर कहा, 'उन्हें सातवें नंबर पर आने की क्या जरूरत है? मुझे समझ नहीं आ रहा। मुझे हैरानी है कि क्या यह इसलिए किया गया है क्योंकि स्टोक्स ने फैसला किया है, मैं हमारा सबसे अच्छा गेंदबाज हूं, मैं नई गेंद लूंगा। मेरे हिसाब से हमारे पास जो खिलाड़ी मौजूद हैं, उनमें यह श्रेष्ठ विकल्प है।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुत पहले अस्सी के दशक के बारे में सोच रहा हूं जब इयान बॉथम दुनिया में छाए हुए थे, और अक्सर वह टेस्ट टीम में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते थे और गेंदबाजी की शुरुआत करते थे। वह हर चीज में छाए रहते थे। मैं बेन को छठे नंबर पर देखना पसंद करूंगा। '

स्टोक्स के सातवें नंबर पर आने पर अपने यकीन न होने के बारे में आगे बात करते हुए, बुचर ने कहा, 'जब वह स्किल और टेम्परामेंट के मामले में अच्छा खेल रहा होता है, तो वह ऑर्डर के आस-पास के खिलाड़ियों को संतुलन देता है। हमें नहीं पता कि एमिलियो क्या करने वाले हैं। रूट नंबर 4 पर टेस्ट में नियमित खेल रहे हैं। स्टोक्स नंबर छह पर खेलते रहे हैं। जेमी स्मिथ नंबर सात पर बेहतर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'स्टोक्स ने अगर कोई दूसरा रोल करने का फैसला न किया हो, जैसे नई गेंद लेना, तो मुझे यह समझ नहीं आता कि उन्हें 7 नंबर पर क्यों आना है। '

बुचर ने लॉर्ड्स टेस्ट में जोफ्रा आर्चर के न होने पर भी हैरानी जताई।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 3 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 4 जून से लॉर्ड्स में शुरू हो रहा है।

एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस

सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है। हर्ष दुबे भी अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी घूमती गेंदों से बल्लेबाजों को तंग करते हुए नजर आ सकते हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और ऋषभ पंत की मौजूदगी में भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी मजबूत नजर आ रहा है। खराब फॉर्म से जूझ रहे पंत के पास इस टेस्ट में दमदार प्रदर्शन करने का सुनहरा मौका होगा। वहीं, यशस्वी जायसवाल और पडिक्कल भी मौका मिलने पर अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को भी टीम में स्थान दिया गया है। तेज गेंदबाजी की अगुवाई मोहम्मद सिराज करते हुए नजर आएंगे और उनका साथ प्रसिद्ध कृष्णा देंगे। विकेटकीपर के तौर पर पंत के साथ-साथ ध्रुव जुरेल को भी टीम में रखा गया है।

एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉडः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

फीफा विश्व कप में खेलने वाली पिता और बेटे की 5 जोड़ियां

एजेंसी

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। फुटबॉल के इस मेगा इवेंट में कई खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जिन्होंने अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाया है। आइए आपको पिता-बेटे की ऐसी 5 जोड़ियां बताते हैं, जो अपने नेशनल टीम की ओर से विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं। लुइस पेरेज और मारियो पेरेजः मेक्सिको की तरफ से लुइस और मारियो पेरेज दोनों ही फीफा विश्व कप खेल चुके हैं। पिता लुइस 1930 में हुए वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा रहे थे। वहीं, उनके बेटे और मिडफील्डर खिलाड़ी मारियो 1950 में खेले गए विश्व कप में मेक्सिको की ओर से खेलते हुए नजर आए थे। हालांकि,पिता और बेटे दोनों ही पूरे विश्व कप में एक गोल तक नहीं कर सके थे। मार्टी और जोस वैंटोलराः पिता मार्टी वैंटोलरा और बेटे जोस वैंटोलरा विश्व कप में खेल चुके हैं। पिता

मार्टी 1934 में खेले गए फीफा विश्व कप में स्पेन टीम का हिस्सा रहे थे। वहीं, जोस वैंटोलरा 1970 में हुए वर्ल्ड कप में मेक्सिको टीम की ओर से खेलते हुए नजर आए थे। हालांकि, 4 मुकाबलों में वह एक गोल भी नहीं कर सके थे, जबकि पिता भी गोल करने में नाकाम रहे थे।

डोमिंगोस और अदेमिर दा गुइयाः पिता डोमिंगोस और बेटे अदेमिर दा गुइया फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की ओर से हिस्सा ले चुके हैं। डोमिंगोस ने 1938 में खेले गए वर्ल्ड कप में 4 मुकाबले खेले थे, लेकिन वह कोई भी गोल नहीं कर सके थे। वहीं, अदेमिर को 1974 में हुए वर्ल्ड कप में ब्राजील की तरफ से एक मैच खेलने का मौका मिला था। रोजर-पैट्रिस रियोः पिता रोजर और बेटे पैट्रिस रियो फ्रांस की ओर से फीफा वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं। रोजर 1934 में हुए विश्व कप में फ्रांस की तरफ से एक मैच खेले थे, जहां वह कोई भी गोल नहीं कर सके थे। पैट्रिस रियो 1978 में ब्राजील टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन उन्हें गोल करने में सफलता हाथ नहीं लग सकी थी।

सैफ महिला चैम्पियनशिपः भारत ने भूटान को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब बांग्लादेश से होगी भिड़ंत

एजेंसी

मडगांव (गोवा)। पांच बार की चैम्पियन भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सैफ महिला चैम्पियनशिप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में रात भूटान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना मौजूदा चैम्पियन बांग्लादेश से शनिवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा। ग्रुप चरण में दो मैचों में 14 गोल करने वाली भारतीय टीम से एकतरफा प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन भूटान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए मुकाबले को कड़ा बनाए रखा। लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची भूटान की टीम ने भारतीय आक्रमण को लंबे समय तक रोके रखा। फीफा रैंकिंग में 69वें स्थान पर मौजूद भारत ने अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में गोल नहीं कर सका। करिश्मा, सौम्या गुगुलोथ और अवेका सिंह ने मौके बनाए, लेकिन खराब फिनिशिंग और भूटान की गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के कारण मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। दूसरे हाफ में लगातार दबाव का फायदा भारत को 60वें मिनट में मिला, जब सनफिदा नोंगरुम ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। यही गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने मनीषा कल्याण और प्यारी जाक्षा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा, लेकिन भारत बढ़त नहीं बढ़ा सका।

'योगासन को एक खेल की तरह ही माना जाना चाहिए': योगासन भारत के अध्यक्ष उदित सेठ

एजेंसी

नई दिल्ली। योगासन भारत के अध्यक्ष और वर्ल्ड योगासन के उपाध्यक्ष उदित सेठ के लिए, योगासन को दुनिया भर में पहचाने जाने वाले खेल में बदलने का सफर सिर्फ मुकाबलों और मेडल्स से कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने के बारे में है, जिसमें संस्थागत मदद, कमर्शियल स्थिरता, वर्ल्ड-क्लास प्रस्तुति और इंटरनेशनल भागीदारी शामिल हो। ऐसे समय में जब भारत खुद को एक खेल की महाशक्ति के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, उदित सेठ का मानना ??है कि योगासन एक अनोखा मौका देता है। वह कहते हैं कि इस सोच के केंद्र में उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से मिली मदद और मार्गदर्शन रहा है। इन दोनों ने ही योगासन के विकास के सफर को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। सेठ ने 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रधानमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जब हम योगासन खेल की बात करते हैं, तो हमें इसे एक खेल की तरह ही मानना चाहिए। इसे मुख्य रूप से एक आध्यात्मिक गतिविधि के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। इसे ग्लोबल होना चाहिए। इसका एक मजबूत फेडरेशन ढांचा होना चाहिए। इसकी कमेंट्री वर्ल्ड-क्लास होनी चाहिए, और हमें इंटरनेशनल भागीदारी को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना चाहिए। ' सेठ के मुताबिक, सोच में इस स्पष्टता ने इस खेल को सिर्फ सांस्कृतिक या सेहत के नजरिए से देखे जाने से आगे बढ़ने में मदद की है। इससे जुड़े लोगों को अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए जरूरी ढांचे बनाने हेतु प्रोत्साहित किया है। उन्होंने योगासन को पूरे देश में स्थापित करने में सरकारी संस्थाओं द्वारा निभाई गई भूमिका को भी सराहा। उन्होंने कहा, 'भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने भी एसीटीसी जैसे कार्यक्रमों के जरिए मदद देकर और यह पक्का करके कि चैंपियनशिप को राज्य और केंद्र, दोनों सरकारों से समर्थन मिले, एक अहम भूमिका निभाई है। '

सेठ के लिए, ये कोशिशें एक बड़े मिशन का हिस्सा हैं, जिसके लिए खेल, शिक्षा और कूटनीतिक संस्थाओं के बीच तालमेल की जरूरत है। उनका मानना है कि योगासन का लंबा भविष्य सिर्फ इवेंट्स आयोजित करने के बजाय एक टिकाऊ ग्लोबल इकोसिस्टम बनाने पर निर्भर करता है। खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता में करीब दो दशक काम करने के बाद, सेठ खेल के मैदान बनाने और खुद खेल को विकसित करने के बीच कई समानताएं देखते हैं। योगासन में लीडरशिप की भूमिका निभाने से पहले, उन्होंने भारत के सबसे बड़े खेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक, 'द एरिना बाय ट्रांसस्टेडिया' को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उस अनुभव ने योगासन के विस्तार के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार दिया है। सेठ ने कहा, 'मुझे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) दौर के दौरान हमारे प्रधानमंत्री के साथ करीब से काम करने का मौका मिला। मैंने उनके काम करने के तरीके और राष्ट्र-निर्माण के बारे में बहुत कुछ सीखा। हम उसी सोच को योगासन की यात्रा में भी लाना चाहते हैं। '

सेठ का तर्क है कि काम को सही तरीके से अंजाम देना ही वह जगह है, जहां कई महत्वाकांक्षी खेल प्रोजेक्ट्स सफल होते हैं या असफल हो जाते हैं। चाहे वह कोई स्टेडियम हो, कोई लीग हो, या कोई उभरता हुआ खेल हो, आखिर में उसकी निरंतरता ही उसकी लंबी अवधि की सफलता तय करती है।

हालांकि, योगासन में लोगों की भागीदारी में काफी बढ़ोतरी हुई है, फिर भी सेठ का मानना है कि अगली चुनौती इसे आर्थिक रूप से फायदेमंद बनाना और दुनिया भर के दर्शकों के लिए इसे आकर्षक बनाना है।

आज इस खेल में साफतौर पर तय किए गए जजिंग के पैमाने, मुश्किल के हिसाब से अलग-अलग कैटेगरी, चैलेंज राउंड, इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम और कई तरह के इवेंट फॉर्मेट शामिल हैं। एथलीट अकेले, जोड़ी में, रिदमिक और आर्टिस्टिक कैटेगरी में मुकाबला करते हैं, और उनके प्रदर्शन को कई तकनीकी और कलात्मक पैमानों पर परखा जाता है।

शानदार रिकवरी के बावजूद कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 1.05 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। निचले स्तर पर हुई वैल्यू बाइंग और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार रिकवरी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट के बाद काफी हद तक रिकवर करने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का चौतरफा दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। सेंसेक्स 1,150 अंक से अधिक टूट गया। वहीं, निफ्टी ने भी 330 अंक से अधिक का गोता लगाया। माना जा रहा है कि अमेरिका द्वारा भारत पर एक बार फिर एक्स्ट्रा टैरिफ लगने की आशंका और पश्चिम एशिया में दोबारा तनाव बढ़ने के आसार की वजह से शेयर बाजार जबरदस्त कमजोरी का शिकार हो गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर इन दोनों सूचकांकों की स्थिति काफी हद तक सुधार दी। सेंसेक्स निचले स्तर से 1,023 अंक रिकवर करने में सफल रहा वहीं, निफ्टी ने निचले स्तर से 308 अंक की रिकवरी की। इस रिकवरी के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी आज लगातार लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर में जम कर बिकवाली होती रही। इस जोरदार बिकवाली के कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स 5.57 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ वाह केमिकल्स का आईपीओ, आठ जून तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली। टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 11 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.42 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1.14 लाख शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.46 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.46 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.08 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए मारवाड़ी चंद्राणा इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है।

इंडिगो ने सरकार के एटीएफ के मूल्य स्थिरीकरण कोष का किया स्वागत

नई दिल्ली। देश की बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारतीय विमानन कंपनियों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के मूल्य स्थिरीकरण कोष को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा, 'हम भारत सरकार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों के आभारी हैं कि उन्होंने शेड्यूल्ड भारतीय एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों को स्थिर रखने में मदद देने की घोषणा की है। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार का यह समय पर उठाया गया कदम एक स्वागत योग्य राहत है। यह दर्शाता है कि सरकार इस बात को अच्छी तरह समझती है कि लोगों को आपस में जोड़ने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में एविएशन की कितनी अहम भूमिका है। साथ ही, यह ऐसा माहौल भी तैयार करता है जिससे एयरलाइंस यात्रियों को बेहतर सेवा दे सकें और भारत को एक वैश्विक एविएशन हब बनाने की दिशा में अपना योगदान दे सकें।' उल्लेखनीय है कि सरकार ने भारतीय एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर करने में मदद करने के लिए 10 हजार रुपये के बजटीय सहायता पैकेज को मंजूरी दी है।

स्टॉक मार्केट में राजनंदिनी फैशन ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद आई गिरावट

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए डिजाइनर कपड़े का प्रोडक्शन और मार्केटिंग करने वाली कंपनी राजनंदिनी फैशन इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 63 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 63 रुपये के स्तर पर ही हुई।लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर उछल कर 64 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने पर ये 60 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दिनभर का कारोबार होने के बाद ये शेयर 60.20 रुपये के स्तर पर बंद हुआ।

थिंकटेक इंडिया के सीईओ की गिरफ्तारी के बाद 700 से अधिक कर्मचारी बेरोजगार, वेतन और जमा राशि फंसी

एजेंसी

नई दिल्ली । पुणे स्थित आईटी कंपनी थिंकटेक इंडिया के 700 से अधिक कर्मचारी कथित तौर पर कंपनी के अचानक संचालन बंद कर देने के बाद बेरोजगार हो गए हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, कर्मचारियों को कार्यालयों से बाहर कर दिया गया और वे अब अपने बकाया वेतन तथा जमा की गई राशि वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, पुणे के हिंजेवाड़ी आईटी हब में स्थित थिंकटेक इंडिया के अचानक बंद होने से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले और धोखाधड़ी की जांच के तहत पुलिस ने कंपनी के सीईओ हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला सबसे पहले 25 वर्षीय एक इंटर्न द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने कंपनी की वित्तीय स्थिति और कारोबारी गतिविधियों की व्यापक जांच शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, इसके बाद 30 से अधिक अन्य कर्मचारी और इंटर्न भी पुलिस के

पास पहुंचे और उन्होंने भी इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराईं। इन शिकायतों में वेतन न मिलने, स्टाइपेंड रोके जाने और कर्मचारियों से ली गई राशि वापस न करने जैसे आरोप शामिल हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि कंपनी ने अप्रैल में बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक अपना संचालन बंद कर दिया। कई कर्मचारी जब कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने पाया कि दफ्तर बंद है और कंपनी के प्रतिनिधियों से संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। जांच एजेंसियों ने इस मामले में कंपनी के ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट प्रमुख और एक मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। रिपोर्टों के अनुसार, कर्मचारियों की शिकायत है कि कंपनी ने कर्मचारियों और इंटर्न से लगभग 15,000 रुपए की सुरक्षा जमा राशि ली थी। कंपनी का दावा था कि यह राशि आधिकारिक लैपटॉप और अन्य उपकरणों के लिए आवश्यक है। कर्मचारियों का कहना है कि शुरुआत में कंपनी समय पर वेतन और स्टाइपेंड देती थी, जिससे कर्मचारियों का भरोसा बना। लेकिन इस वर्ष जनवरी से भुगतान पूरी तरह बंद हो गया। कई कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि बाद में कंपनी ने बकाया वेतन के बदले चेक जारी किए, लेकिन उनमें से कई चेक बाउंस हो गए। इससे कंपनी की वित्तीय स्थिति को लेकर और गंभीर सवाल खड़े हो गए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच के हिस्से के रूप में कंपनी के अतिरिक्त वित्तीय रिकॉर्ड और लेनदेन से जुड़ी जानकारी की भी पड़ताल की जा रही है।

तिरुपति के प्रसादम् घी मिलावट मामले में ईडी की देश के 15 स्थानों पर छापेमारी, 60 लाख नकद और 45 करोड़ की संपत्तियों का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के प्रसादम् में घी मिलावट घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में देशभर के 15 जगहों पर छापेमारी की। यह छापेमारी आहिल्यानगर (महाराष्ट्र), बीकानेर (राजस्थान), देहरादून (उत्तराखंड), दिल्ली, डिंडीगुल (तमिलनाडु), गुंटूर (आंध्र प्रदेश), मुंबई (महाराष्ट्र) और रुड़की (उत्तराखंड) में की गई। इस दौरान 60 लाख रुपये नकद बरामद किए गए और 45 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों में अपराध की आय निवेश किए जाने का खुलासा हुआ।

ईडी की तरफ से बताया गया कि तलाशी में आरोपित पोमिल जैन, विपिन जैन, राजू राजशेखरन, राजेश मंसुखलाल छावड़ा, अपूर्व विनयकंठ छावड़ा, मचींद्र शंकरराव लंके, अजय कुमार सुगंध, महेश कुमार रोहिरा और आशीष अग्रवाल के आवासीय व कार्यालय परिसरों को खंगाला गया। इसके अलावा एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड (डिंडीगुल, तमिलनाडु), मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आहिल्यानगर, महाराष्ट्र) और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड (रुड़की, उत्तराखंड) के डेयरी संयंत्रों पर भी छापेमारी की गई। यहां से कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले, जिनसे पता चला कि अपराध की आय को छिपाने के लिए जटिल कानूनी संस्थाओं का नेटवर्क इस्तेमाल किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने कुछ टीटीडी अधिकारियों के साथ मिलकर मिलावटी घी की आपूर्ति की और धोखाधड़ी कर ट्रस्ट को नुकसान पहुंचाया।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने 'नवाचार मंत्र' पहल शुरू की, ग्रामीण और छोटे शहरों के उद्यमियों को मिलेगा सहयोग

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने उद्देश्य टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों से आने वाले नवाचारों और उद्यमियों को सहयोग देने के लिए आईआईटी दिल्ली में 'नवाचार मंत्र' राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया को केवल भारत में बने उत्पाद ही नहीं बल्कि भारत में कल्पित तकनीकों का भी उपयोग करना चाहिए, यही नवाचार मंत्र की सच्ची भावना है। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि इस पहल को राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबड) लागू करेगा और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), आईआईटी दिल्ली तकनीकी ज्ञान भागीदार होगा। कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, स्टार्टअप इकोसिस्टम नेताओं, शिक्षाविदों, निवेशकों और युवा उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्कैनएक्स्ट साइंटिफिक टेक्नोलॉजीज के संस्थापक राजत वर्धन ने संचालन किया। डूम के संस्थापक संदीप अग्रवाल, मोबीक्विक के संस्थापक बिपिन प्रीत सिंह, फ्रूवेटेक के संस्थापक डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती और ईजियोफाई सॉल्यूशंस की संस्थापक मीनल गुप्ता भी शामिल हुए। जयंत चौधरी ने कहा कि चाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर या एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग हो, वैश्विक परिवर्तन की अगली लहर पर भारत की बौद्धिक छाप होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ऐसे विचार और करियर चुनें जो उन्हें प्रेरित करें और जिनसे उन्हें संतोष मिले। मंत्रालय ने बताया कि 'नवाचार मंत्र' का उद्देश्य देशभर के नवप्रवर्तकों और शुरुआती चरण के उद्यमियों को पहचानना, पोषित करना और उन्हें आगे बढ़ाना है। यह पहल कृषि-तकनीक, स्वास्थ्य-तकनीक, शिक्षा-तकनीक, कौशल, जलवायु और स्थिरता, ग्रामीण वाणिज्य और एमएसएमई सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले नवाचारकर्ताओं को सहयोग देगी। मंत्रालय ने कहा कि इसके आवेदन कीअंतिम तिथि 5 जुलाई है। चयनित नवाचारकर्ताओं को एक वर्ष तक चलने वाले कार्यक्रम में मार्गदर्शन, निवेशकों से संवाद, नवाचार प्रदर्शन और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में डीजीटी के महानिदेशक दिलीप कुमार, एमएसडीई की संयुक्त सचिव हेना उस्मान, आर्थिक सलाहकार अर्चना मायाराम, आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी, एनआईईएसबड की महानिदेशक डॉ. पूनम सिन्हा और एफआईटीटी-आईआईटी दिल्ली के एमडी डॉ. निखिल अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सोना 1,200 रुपए और चांदी 3,700 रुपए से अधिक सस्ती हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशः 1,200 रुपए और 3,700 रुपए से अधिक घट गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 1,258 रुपए कम होकर 1,55,036 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जो कि मंगलवार को 1,56,294 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम 1,43,165 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,42,013 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत 1,17,221 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,16,277 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 3,725 रुपए कम होकर 2,61,575 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,65,300 रुपए प्रति किलो था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर खबर लिखे जाने तक सोना का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.41 प्रतिशत घटकर

1,58,690 रुपए और चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.99 प्रतिशत घटकर 2,64,054 रुपए पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,459 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73 डॉलर प्रति औंस पर थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि सत्र में सोने में कमजोरी के साथ कारोबार हुआ। इसकी वजह डॉलर और कच्चे तेल में तेजी होना था, जिससे बुलियन मार्केट का सेंटीमेंट पर नकारात्मक असर पड़ा।

उन्होंने आगे कहा कि निवेशकों का अब फोकस अमेरिका से आने वाले डेटा जैसे बेरोजगारी के आंकड़े और नॉन-फार्म पेरोल पर है। इससे सोने की आगे की दिशा तय होगी।

त्रिवेदी के मुताबिक, सोने के लिए एमसीएक्स पर सपोर्ट 1,56,000 रुपए और रुकावट का स्तर 1,61,500 रुपए के आसपास है।

युद्धविराम की उम्मीद से कच्चे तेल की कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट, पश्चिम एशिया को लेकर चिंताएं घटीं

एजेंसी

नई दिल्ली । इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इससे यह उम्मीद बढ़ी है कि व्यापक कूटनीतिक समाधान निकल सकता है, जिससे ईरान से जुड़े मौजूदा संघर्ष को लेकर तनाव कम हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.33 प्रतिशत गिरकर 96.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। इसी तरह, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी 1 प्रतिशत से अधिक गिरकर 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। तेल की कीमतों में यह गिरावट ऐसे समय आई है जब पिछले कारोबारी सत्र में दोनों प्रमुख बेंचमार्क लगभग 2 प्रतिशत चढ़ गए थे। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, जिसमें कुवैत पर ईरान के हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिकी सैन्य कार्रवाई शामिल थी, ने उस समय कीमतों को बढ़ावा दिया था। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के

नियंत्रण वाले प्रतिनिधि सभा ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों को जारी रखने के अधिकार को सीमित करना है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत में प्रगति इस सप्ताहांत तक सामने आ सकती है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि वॉशिंगटन के साथ संपर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अब तक बातचीत से कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया जब अमेरिका और ईरान के बीच नए हमलों के आदान-प्रदान के बाद ईरानी ड्रोन ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया। इस हमले में कई लोग घायल हो गए और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। कुवैती सेना ने बताया कि हमले से भारी भौतिक नुकसान हुआ, जिसके कारण अधिकारियों को हवाई यातायात संचालन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। वैश्विक शेयर बाजारों में भी कमजोरी का माहौल बना रहा। जापान का निक्केई, हांगकांग का हैंग सेंग, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और इंडोनेशिया का जकार्ता कंपोजिट सूचकांक 3 प्रतिशत तक गिर गए। अमेरिकी बाजार भी पिछली रात गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 सूचकांक 0.74 प्रतिशत नीचे बंद हुआ, जबकि नैस्डैक में 0.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली। गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 0.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुले। आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थ सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

ईडी ने इंदौर नगर निगम फर्जी बिल घोटाले में तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार, 92.76 करोड़ की धोखाधड़ी का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के फर्जी बिल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तीन आरोपित अभय सिंह राठौर, मोहम्मद जाकिर और राहुल बड़ेरा को गिरफ्तार किया है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार आरोपितों को इंदौर की विशेष पीएमएलए अदालत ने पांच जून तक ईडी की हिरासत में भेजा दिया। ईडी ने बताया कि इन आरोपितों की गिरफ्तारी सोमवार को हुई। जांच में सामने आया कि 2018 से 2023 के बीच लगभग 119.53 करोड़ रुपये के फर्जी बिल आईएमसी में जमा कराए गए, जिनके आधार पर करीब 86.54 करोड़ रुपये का धोखाधड़ीपूर्ण भुगतान निगम कोषागार से किया गया। इससे पहले भी 2018 से पूर्व लगभग 6.22 करोड़ रुपये इसी तरह की चालबाजी से निकाले गए थे। कुल मिलाकर लगभग 92.76 करोड़ रुपये की राशि को अपराध की आय के रूप में चिन्हित किया गया है। जांच में तत्कालीन सहायक अभियंता अभय सिंह राठौर इस घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता थे। फर्जी वर्क ऑर्डर तैयार करने एवं पास कराने में भूमिका का भी पता चला। ठेकेदार मोहम्मद जाकिर और राहुल बड़ेरा ने अपनी कंपनियों के माध्यम से लगभग 71.78 करोड़ रुपये प्राप्त किए। इन कंपनियों ने कोई वास्तविक काम नहीं किया और राशि को आपस में बांट लिया गया। ईडी ने बताया कि इससे पहले एजेंसी ने पीएमएलए की धारा 17 के तहत तलाशी में लगभग 22.04 करोड़ रुपये की नकदी और कीमती सामान जब्त किए थे।

भारत की ब्लू इकोनॉमी विकास के एक शक्तिशाली इंजन के रूप में उभर रही है: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की ब्लू इकोनॉमी (समुद्री अर्थव्यवस्था) तेजी से विकास का एक शक्तिशाली इंजन बनकर उभर रही है। इसकी प्रमुख वजह समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड) के निर्यात में लगातार बढ़ोतरी और वैश्विक बाजार में भारतीय समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के मछुआरों को अब बड़े बाजारों तक पहुंच और बढ़ते निर्यात अवसरों का लाभ मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। पीयूष गोयल ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में समुद्री खाद्य निर्यात में लगभग 145 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, 'हमारे मछुआरों को नए बाजारों और बढ़ते निर्यात का लाभ मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में समुद्री खाद्य निर्यात ने नया रिकॉर्ड बनाया है। वित्त वर्ष 2013-14 से निर्यात में लगभग 145 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत की ब्लू इकोनॉमी विकास के एक शक्तिशाली इंजन के रूप में उभर रही है। ' इस बीच, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह उपलब्धि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद इस क्षेत्र की मजबूती को दर्शाती है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाती है। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 19.72 लाख मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत 73,890 करोड़ रुपए (8.46 अरब डॉलर) रही। यह इस क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा निर्यात प्रदर्शन है। आंकड़ो की घोषणा करते हुए एमपीईडीए के चेयरमैन पी. जवाहर ने कहा कि यह रिकॉर्ड उपलब्धि वैश्विक बाजार में मांग के उतार-चढ़ाव और व्यापारिक अनिश्चितताओं जैसी कई चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है। भारत के समुद्री खाद्य निर्यात में फ्रोजन झींगा का दबदबा बना रहा। कुल निर्यात आय का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा इसी उत्पाद से आया। फ्रोजन झींगा के निर्यात से 49,038 करोड़ रुपए (5.62 अरब डॉलर) की आय हुई, जो कुल समुद्री खाद्य निर्यात से होने वाली विदेशी मुद्रा आय का 66.5 प्रतिशत है। फ्रोजन झींगा का निर्यात बढ़कर 7.93 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया। इस उत्पाद का सबसे बड़ा खरीदार अमेरिका रहा, जबकि चीन और यूरोपीय संघ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। मूल्य के लिहाज से अमेरिका भारत का सबसे बड़ा समुद्री खाद्य बाजार बना रहा। अमेरिका ने 2.33 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय समुद्री उत्पादों का आयात किया।

भारत अमेरिका के साथ धारा 301 की कार्यवाही और द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर कर रहा बातचीत : केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ धारा 301 के तहत की गई कार्यवाही और 2 फरवरी को दोनों देशों के बीच हुए अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लगातार बातचीत कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि यूएस ट्रेड रिप्रिजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने भारत सहित 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ वस्तुओं के आयात को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जांच पूरी कर ली है। इसके चलते, यूएसटीआर ने 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत 60 देशों से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है। धारा 232 के अंतर्गत आने वाले शुल्क और कुछ अन्य उत्पादों को इन शुल्क प्रस्तावों से बाहर रखा गया है। वस्त्र और परिधान उत्पादों के लिए एक विशेष व्यवस्था का भी प्रस्ताव किया गया है, जिसके तहत चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं से एक निश्चित मात्रा में आयात को कम शुल्क दरों पर अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित शुल्कों को अभी अंतिम रूप नहीं दिए गए हैं और हितधारक 22 जून, 2026 तक सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने के लिए अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। वहीं, लिखित टिप्पणियां 6 जुलाई, 2026 तक जमा की जा सकती हैं। सार्वजनिक सुनवाई 7 जुलाई को होगी। एसटीआर प्रस्तावित उपायों पर अंतिम निर्णय लेने से पहले प्राप्त टिप्पणियों और गवाहियों पर विचार करेगा।भारत और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारी वर्तमान में नई दिल्ली में तीन दिवसीय वार्ता कर रहे हैं ताकि अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके, जिससे शुल्क में कमी आने की उम्मीद है। 7 फरवरी को भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान ने पारस्परिक रूप से लाभकारी, पारस्परिक व्यापार प्राप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा स्थापित की, साथ ही दोनों देशों को व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए प्रतिबद्ध किया। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में कहा कि अमेरिका भारत के साथ एक नए द्विपक्षीय व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक है, जिससे बाजार पहुंच का विस्तार होगा, बाधाएं कम होंगी और दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए अधिक निश्चितता पैदा होगी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती परीक्षा घोटाला मामले में ईडी का छापा

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती परीक्षा घोटाला मामले में रायपुर, दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव सहित लगभग एक दर्जन ठिकानों पर बुधवार सुबह से ताबड़तोड़ छापेमारी की है। इस मामले की जांच पहले से ही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो कर रही है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक के रायपुर स्थित घर में कार्रवाई चल रही है। वहीं सेवानिवृत्त आईएएस जेके ध्रुव के भिलाई सेक्टर-10 स्थित घर पर सुबह 6 बजे से जांच जारी है। जेके ध्रुव सीजी-पीएससी भर्ती घोटाले में आरोपित हैं और जेल में हैं। वहीं राज्यपाल के पूर्व सचिव अमृत खलखो के भिलाई तालपुरी स्थित निवास पर भी जांच चल रही है। उनकी बेटी नेहा का 13वीं रैंक और बेटे निखिल का 17वीं रैंक के साथ डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयन हुआ था। राजनांदगांव में तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर के घर पर भी छापा मारा गया है। गणवीर इस मामले में पहले से ही जेल में बंद हैं। बताया गया है कि ईडी की करीब आठ अधिकारियों की टीम पहुंची हुई है। घर के अंदर दस्तावेजों की जांच की जा रही है। आरोप है कि साल 2020 से 2022 के बीच हुई परीक्षाओं में योग्यता को दरकिनार कर प्रभावशाली व्यक्तियों और अधिकारियों के करीबियों को शीर्ष पदों पर नियुक्तियां दी गईं। ईडी की टीम भर्ती के बदले संदिग्ध लेन-देन, बैंक खातों और विभिन्न फंडों के जरिए हुए वित्तीय हेरफेर के डिजिटल रिकॉर्ड्स खंगाल रही है।

RBI ने सोना बेचने की खबरों को बताया गलत, कहा- देश के पास अब भी 880.52 टन गोल्ड रिजर्व सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उन मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने अपने स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का एक हिस्सा बेच दिया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि उसके पास मौजूद भौतिक सोने का भंडार पहले की तरह 880.52 टन ही है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। आरबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि रिजर्व बैंक ने सोना बेचा है, लेकिन यह जानकारी सही नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से मासिक बुलेटिन में प्रकाशित की जाती है और वर्तमान में भौतिक सोने का स्टॉक 880.52 टन पर स्थिर बना हुआ है। आरबीआई ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार का पूरा विवरण मासिक बुलेटिन में उपलब्ध रहता है, जिसे कोई भी व्यक्ति आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकता है। बैंक ने दोहराया कि

अभी तक सोने के भौतिक भंडार में कोई कमी नहीं आई है।

केंद्रीय बैंक ने लोगों से अपील की कि वे इस तरह की खबरों पर भरोसा करने के बजाय आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली आधिकारिक जानकारी को ही सही मानें। इस मामले पर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने भी स्पष्टीकरण जारी किया। पीआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि आरबीआई ने लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेच दिया है, जबकि यह दावा पूरी तरह फर्जी है। पीआईबी के अनुसार, आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। सितंबर 2025 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 13.92 प्रतिशत थी, जो 31 मार्च 2026 तक बढ़कर 16.70 प्रतिशत हो गई। इसके बाद 22 मई 2026 तक यह और बढ़कर 16.85 प्रतिशत पहुंच गई।

दरअसल, इससे पहले एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट में ब्लूमबर्ग का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि आरबीआई ने 22 मई तक के दो सप्ताह के दौरान लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेचकर विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां खरीदी हो सकती हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद बाजार में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

हालांकि आरबीआई और पीआईबी दोनों ने इन दावों को गलत बताते हुए साफ कर दिया है कि भारत के स्वर्ण भंडार में कोई कमी नहीं आई है और देश के पास मौजूद 880.52 टन सोना पूरी तरह सुरक्षित है।

ईरान और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों में बातचीत, क्षेत्रीय तनाव कम करने पर चर्चा

एजेंसी

तेहरान । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद ने फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और तनाव कम करने के प्रयासों पर चर्चा की। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और सऊदी अरब के उनके समकक्ष फैसल बिन फरहान अल सऊद के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कूटनीतिक कोशिशों पर चर्चा की गई। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों अधिकारियों ने क्षेत्रीय हालात और स्थिरता और तनाव कम करने के लिए चल रही पहलों पर अपने विचार साझा किए। इससे पहले कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने भी ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात की और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों के साथ-साथ लेबनान की ताजा स्थिति पर भी बात की।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा राजनीतिक झटका, अमेरिकी संसद में ईरान युद्ध खत्म करने का प्रस्ताव पास

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक द्विदलीय 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' पारित किया है, जिसका मकसद ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को खत्म करना है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक राजनीतिक झटका माना जा रहा है, क्योंकि इस संघर्ष को लेकर आलोचना बढ़ती जा रही है। यह प्रस्ताव बुधवार (स्थानीय समय) को पेश किया गया था। इसे हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने पेश किया था और इसे एडम स्मिथ और जिम हाइम्स जैसे वरिष्ठ डेमोक्रेट्स का समर्थन मिला। यह प्रस्ताव बहुत ही करीबी अंतर 215-208 से पास हुआ। मीक्स ने इसे एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा, 'मेरे 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' का पास होना राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के खिलाफ अवैध और महंगे युद्ध पर एक अहम द्विदलीय विरोध है और इसे पूरी तरह खत्म करने की दिशा में पहला कदम है।' इस वोट से साफ

है कि कांग्रेस में इस युद्ध को लेकर विरोध बढ़ रहा है। आलोचकों का कहना है कि इस संघर्ष ने अपने बताए गए लक्ष्य हासिल नहीं किए हैं, लेकिन इसके कारण आर्थिक और मानवीय लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट एडम स्मिथ ने कहा, 'आज का वोट साफ संदेश देता है कि ट्रंप को ईरान के खिलाफ अपनी चुनी हुई विनाशकारी जंग को तुरंत खत्म कर देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि सरकार अपने लक्ष्य पूरे नहीं कर पाई है। जैसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, वहां का उच्च संवर्धित यूरेनियम हटाना या शासन परिवर्तन लाना। उनके मुताबिक, 'इसके बजाय ईरान की स्थिति और मजबूत हुई है, वह क्षेत्र में और अस्थिरता फैला रहा है, और वहां और भी कठोर विचारों वाला नेतृत्व है। साथ ही अब हमें शायद ईरान को पैसे देने पड़ें ताकि वह होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोल दे, जो पहले से खुला हुआ था, जब तक ट्रंप ने यह युद्ध शुरू नहीं किया।' मीक्स ने यह भी कहा कि इस युद्ध ने कूटनीति की संभावना को और कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, 'ट्रंप का यह युद्ध उनके बताए गए लक्ष्यों को हासिल करने में पूरी तरह असफल रहा है। बल्कि इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत से समाधान और दूर हो गया है।' उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने ईरान को अपनी ताकत दिखाने का मौका दिया है और आम अमेरिकियों पर आर्थिक बोझ बढ़ाया है। युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 50 प्रतिशत बढ़ गई हैं, और लोग हर हफ्ते अरबों डॉलर एक ऐसे युद्ध के लिए चुका रहे हैं जिसका वे बड़े पैमाने पर विरोध करते हैं। प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने बताया कि वह वोट देने के लिए वाशिंगटन डीसी में नहीं थीं, क्योंकि वह अपनी मां की अचानक स्वास्थ्य समस्या के कारण भारत में थीं।

'ईरानी एजेंट्स रच रहे थे अमेरिकी राजनेताओं की हत्या का षड्यंत्र', रुबियो के इस बयान को बाघेई ने बताया 'बेतुका'

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान । तेहरान ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उस बयान को सिरे से खारिज किया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अमेरिकी राजनेताओं, यहां तक कि राष्ट्रपति तक की हत्या का षड्यंत्र ईरानी एजेंटों ने रचा था। ईरान ने आरोपों को बेतुका और बेबुनियाद करार देते हुए इसे 'युद्ध अपराधों से ध्यान भटकाने की कोशिश' बताया। रुबियो ने राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर बनी हाउस एप्रोप्रिएशंस सबकमेटी के सामने अपनी राय जाहिर की थी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रुबियो के बयान का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि 'हर आरोप एक स्वीकारोक्ति है।' उन्होंने आगे कहा कि 'खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश ईरान के खिलाफ किए गए युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों को छुपा नहीं सकती।' रुबियो ने अपने बयान में कहा था कि कुछ व्यक्तियों को इस तरह की साजिशों में शामिल होने के आरोप में दोषी ठहराया गया है, जिनमें ईरानी एजेंटों की अमेरिकी धरती पर राजनीतिक नेताओं की हत्या की कथित योजना शामिल है। इसके जवाब में ईरान ने इन दावों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छवि को सुधारने के लिए ऐसे आरोपों का सहारा ले रहा है। ईरानी पक्ष ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने क्षेत्र में सैन्य कार्रवाइयों के दौरान नागरिकों को निशाना बनाया है। ईरान ने अपने बयान में हाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि फरवरी 28 को मिनाब में एक स्कूल पर मिसाइल हमले में 170 से अधिक बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी।

भारत-बांग्लादेश मीडिया सहयोग को नई मजबूती, महिला पत्रकारों से भारतीय उच्चायोग ने किया संवाद

ढाका । बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने हाल ही में भारत का दौरा करके लौटी महिला पत्रकारों से विशेष संवाद किया। बांग्लादेश की प्रमुख प्रिंट और टेलीविजन मीडिया संस्थानों की महिला पत्रकारों का यह प्रतिनिधिमंडल 11 से 24 मई के बीच भारत दौरे पर था। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कुछ तस्वीरों के साथ इस दौरे की विशेषता बताई। दी गई जानकारी के अनुसार, पत्रकारों ने कोलकाता स्थित सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई) में भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत आयोजित विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 'जर्नलिज्म फॉर ए बेटर वर्ल्डः रिपोर्टिंग फॉर एसडीजीज' में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से संबंधित मुद्दों की प्रभावी और जिम्मेदार रिपोर्टिंग के लिए प्रशिक्षित करना था। मंगलवार को आयोजित संवाद सत्र में भारतीय उच्चायोग के प्रभारी राजदूत (चार्ज डी'अफेयर्स) पवनकुमार बधे ने प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा की समीक्षा की। उन्होंने भारत और बांग्लादेश के मीडिया संस्थानों के बीच गहरे सहयोग और संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मीडिया सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

ईरान ने यात्री टर्मिनल को बनाया निशाना, ड्रोन हमले में कई घायलः कुवैत

कुवैत । कुवैती रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल-1 (टी1) को कई ड्रोन हमलों का निशाना बनाया गया। बयान के अनुसार, यह हमला कथित ईरानी आक्रामक कार्रवाई का परिणाम था, जिससे टर्मिनल भवन को भारी नुकसान पहुंचा और कई लोग घायल हो गए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हमले के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाओं और चिकित्सा टीमों को सक्रिय किया गया। घायलों को आवश्यक चिकित्सीय सहायता प्रदान की गई और उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने प्रभावित क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है ताकि नुकसान का आकलन किया जा सके और हमले की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। ब्रिगेडियर जनरल अल-ओतैबी ने कहा कि कुवैत की सशस्त्र सेनाएं संबंधित सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, सेना किसी भी संभावित खतरे या नई परिस्थिति से निपटने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।

जबरन श्रम से आयात पर प्रतिबंधः अमेरिका ने भारत समेत 60 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का रखा प्रस्ताव

वॉशिंगटन । अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत भारत सहित 60 देशों और अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त 12.5 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। यह कदम उन आरोपों के आधार पर उठाया गया है कि इन देशों में जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से बने उत्पादों के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं। वॉशिंगटन, 3 जून (आईएएनएस)। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत भारत सहित 60 देशों और अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त 12.5 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। यह कदम उन आरोपों के आधार पर उठाया गया है कि इन देशों में जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से बने उत्पादों के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।'

जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है।

पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत

विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी।रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है।

बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सि़न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों

को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है। पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है।

बीएपीएस हिंदू मंदिर को मिला वैश्विक सर्वोच्च सम्मान, अबू धाबी में 'टॉलरेंस अवॉर्ड 2026' से सम्मानित

एजेंसी

अबू धाबी । विश्व में शांति, सद्भाव और मानवीय एकता का संदेश प्रसारित करने वाले बीएपीएस हिंदू मंदिर, अबू धाबी को प्रतिष्ठित 'टॉलरेंस अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान इंटरनेशनल डायलॉग ऑफ सिविलाइजेशन एंड टॉलरेंस कॉन्फ्रेंस (आईडीसीटी 2026) के दौरान प्रदान किया गया, जो वैश्विक स्तर पर सहिष्णुता, संवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को दिया जाता है। यह पुरस्कार केवल एक संस्था का सम्मान नहीं बल्कि उन सार्वभौमिक मूल्यों की स्वीकृति है, जिन्हें बीएपीएस हिंदू मंदिर निरंतर समाज में स्थापित कर रहा है-मानवता, करुणा, एकता और पारस्परिक सम्मान। सद्भाव का उत्सव,ओमसीयत तथा विभिन्न मानवीय सहायता अभियानों के माध्यम से मंदिर ने विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और राष्ट्रीयताओं के लोगों को एक मंच पर लाकर विश्व-बंधुत्व का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

पुरस्कार ग्रहण करते हुए बीएपीएस हिंदू मंदिर, अबू धाबी के प्रमुख पूज्य ब्रह्मविहारी स्वामी ने परिवार, आध्यात्मिकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भविष्य पर प्रेरणादायी विचार रखे। उन्होंने कहा, ''आज सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि एआई क्या कर सकता है बल्कि यह है कि एआई के प्रभाव से हम किस प्रकार के मनुष्य बन रहे हैं।''

उन्होंने भारतीय संस्कृति के शाश्वत आदर्श 'मातृदेवो भव', 'पितृदेवो भव' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और समृद्ध राष्ट्र का आधार होते हैं। उन्होंने परम पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज द्वारा प्रेरित 'घर सभा' की परंपरा को आधुनिक युग की एक प्रभावी सामाजिक आवश्यकता बताया, जहां परिवार प्रतिदिन कुछ समय साथ बैठकर प्रार्थना, संवाद और आत्मीयता का अनुभव करता है। अपने उद्बोधन के समापन पर उन्होंने एक अत्यंत प्रेरक संदेश दिया कि ''भविष्य केवल अधिक बुद्धिमान मशीनों से नहीं बनेगा बल्कि वह अधिक सशक्त परिवारों, अधिक संवेदनशील हृदयों और अधिक करुणामय समुदायों से निर्मित होगा। हमें केवल एआई निर्भर परिवार नहीं बल्कि एआई सशक्त परिवार चाहिए।'' यह सम्मान बीएपीएस हिंदू मंदिर की उस वैश्विक भूमिका का प्रतीक है, जिसके माध्यम से वह संस्कृतियों, समुदायों और देशों को जोड़ते हुए विश्व में शांति, संवाद और मानव एकता की नई प्रेरणा बन रहा है। ''जहां विविधता का सम्मान होता है, वहीं सच्ची एकता का उदय होता है।''

40 दिन की समिति भी नहीं मना सकी कराची यूनिवर्सिटी के शिक्षकों को, परीक्षा बहिष्कार जारी रहेगा

एजेंसी

कराची । कराची विश्वविद्यालय के शिक्षक महीनों से बगैर वेतन के पढ़ा रहे थे। शासन-प्रशासन से गुहार लगाने का भी कुछ फायदा नहीं हुआ। नतीजतन, 5 मई 2026 से सभी हड़ताल पर हैं, शैक्षणिक कार्य ठप है और इसका असर सेशन एग्जाम पर भी पड़ा है। सबने एग्जाम बायकॉट, फैसले को बरकरार रखने का निर्णय जारी रखा है। हालांकि एक विशेष समिति भी बनाई गई जिसके प्रस्ताव को शिक्षक संघ ने सिरे से खारिज कर दिया। स्थानीय मीडिया ने उनके इस फैसले से रूबरू कराया। विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रांतीय नेताओं की कोशिशों के बावजूद शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी लंबित वित्तीय मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक वे अपना विरोध समाप्त नहीं करेंगे। प्रमुख मीडिया आउटलेट डॉन के अनुसार, आयोजित कराची यूनिवर्सिटी टीचर्स सोसाइटी (केयूटीएस) की आम सभा में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सेमेस्टर परीक्षाओं के बहिष्कार को जारी रखा जाएगा। हाल ही में सिंध उच्च शिक्षा आयोग (एसएचईसी) ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक छह सदस्यीय समिति गठित करने की घोषणा की थी। एसएचईसी की अधिसूचना के अनुसार, आयोग के अध्यक्ष की अगुवाई में गठित समिति में विश्वविद्यालय एवं बोर्ड विभाग के सचिव, एसएचईसी सचिव, केयूटीएस अध्यक्ष तथा कर्मचारी और अधिकारी कल्याण संघों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। समिति को शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की शिकायतों की जांच कर 40 दिनों के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपा गया है।

संघर्ष विराम के बावजूद फिलहाल लेबनान में अभियान जारी रखेगा इजरायलः रक्षा मंत्री काट्ज

एजेंसी

तेल अवीव/बेरूत । इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि संघर्ष विराम के बावजूद फिलहाल दक्षिणी लेबनान पर हमले जारी रहेंगे। उनके अनुसार सैन्य अभियान जारी रहेगा और विस्थापित लेबनानी नागरिकों को अभी वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उनकी यह टिप्पणी उस घोषणा के एक दिन बाद आई, जिसमें लेबनान और इजरायल ने वाशिंगटन में हुई वार्ताओं के दौरान युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई थी। यह समझौता हिज्बुल्लाह के गोलीबारी बंद किए जाने की शर्त पर आधारित है। एक बयान में काट्ज ने कहा कि इजरायली सैनिक दक्षिणी लेबनान में स्थापित तथाकथित 'सुरक्षा क्षेत्र' में बने रहेंगे, जिसमें ब्यूफोर्ट किले का इलाका भी शामिल है। लगभग 900 वर्ष पुराने इस किले

पर इजरायल ने शनिवार (30 मई) को कब्जा किया था।उन्होंने कहा कि इजरायल क्षेत्र में 'आतंकी ढांचे को ध्वस्त' करने की कार्रवाई जारी रखेगा। साथ ही, अमेरिका के समर्थन से इजरायल को बेरूत में इजरायली क्षेत्रों पर होने वाले किसी भी हमले के जवाब में कार्रवाई करने की स्वतंत्रता प्राप्त होगी।

वहीं, इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने अमेरिका की मध्यस्थता से हुए इजरायल-लेबनान समझौते की आलोचना करते हुए इसे 'बड़ी गलती' बताया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता उन सलाहकारों की 'कल्पनाओं' का परिणाम है जो प्रधानमंत्री को गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बेन-ग्वीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हिज्बुल्लाह केवल और अधिक मजबूत होगा, और उसे पराजित करने के बजाय इजरायल उसके अस्तित्व को स्वीकार कर रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'कुछ अवसर ऐसे होते हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति को भी 'नहीं' कहना आवश्यक होता है। यदि हम ऐसा नहीं करते, तो अगली बार हमें हिज्बुल्लाह का सामना कहीं अधिक शक्तिशाली और खतरनाक रूप में करना पड़ेगा। इस बीच, लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी एनएनए के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के जेफ्ता-कफरवा मार्ग पर एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए इजरायली ड्रोन हमले में कई लोग घायल हो गए।

यह हमला ऐसे समय हुआ जब इजरायल और लेबनान की सरकारों ने वाशिंगटन डी.सी. में अमेरिकी अधिकारियों की मध्यस्थता से हुई बैठकों के बाद संघर्ष समाप्त करने और संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी।

इंडो-पैसिफिक में एक्शन-ओरिएंटेड भूमिका निभा रहा है क्वाड : मार्को रुबियो

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया अब सिर्फ कूटनीतिक बातचीत तक सीमित नहीं रह रहे हैं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षेत्रीय मजबूती से जुड़े व्यावहारिक काम भी शुरू कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियोने यह बात कही है। कांग्रेस की एक सुनवाई में रूबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की इंडो-पैसिफिक रणनीति में क्वाड अब एक बहुत अहम स्तंभ बनता जा रहा है। उनकी बात से साफ संकेत मिलता है कि क्वाड अब इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में ज्यादा 'एक्शन-ओरिएंटेड' भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समूह पहले से कई बैठकें कर चुका है और इस साल आगे और भी उच्च-स्तरीय बैठकें होने की तैयारी है। रूबियो ने बताया कि उन्होंने हाल ही में भारत में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया था। उनका कहना था कि अब चारों देश सिर्फ चर्चा नहीं कर रहे, बल्कि ठोस और लागू किए जा सकने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास कुछ ऐसे काम हैं जिन पर हम ध्यान दे रहे हैं।' इनमें से एक बड़ा प्रस्ताव समुद्री 'मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस' को बेहतर बनाना है, यानी समुद्र में क्या हो रहा है उस पर बेहतर नजर रखना। इसका मकसद इंडो-पैसिफिक में जहाजों की आवाजाही, संभावित खतरों और अहम समुद्री रास्तों की निगरानी को मजबूत करना है।रूबियो ने कहा कि चारों देश मिलकर अपनी संसाधनों को जोड़ रहे हैं ताकि समुद्र में होने वाली गतिविधियों पर बेहतर नजर रखी जा सके। इसमें संदिग्ध गतिविधियों, प्रतिबंधों से बचने की कोशिशों और समुद्री केबल्स जैसी अहम संरचनाओं को खतरे जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ये चार देश अपनी ताकत और संसाधन मिलाकर काम करें, तो इससे पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। इसके अलावा क्वाड देश पैसिफिक आइलैंड्स में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर भी बात कर रहे हैं। रूबियो ने बताया कि इस क्षेत्र के एक छोटे द्वीप पर एक नया पोर्ट (बंदरगाह) बनाने की योजना पर काम चल रहा है, और इसके लिए फिजी के साथ भी चर्चा हो रही है। रूबियो के अनुसार, आने वाले समय में क्वाड की साझेदारी ज्यादा से ज्यादा 'व्यावहारिक नतीजों' पर केंद्रित होगी, ताकि क्षेत्र को मजबूत किया जा सके और कमजोरियों को कम किया जा सके।

क्रिटिकल मिनरल्स पर चीन का बढ़ता दबदबा सुरक्षा के लिए खतराः अमेरिकी विदेश मंत्री

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने चेतावनी दी कि दुनिया भर में जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन पर चीन का दबदबा बढ़ता जा रहा है, जो आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन्नत तकनीकों, रक्षा प्रणालियों और औद्योगिक उत्पादन के लिए ज़रूरी संसाधनों के मामले में बीजिंग पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए दुनिया भर में अपनी साझेदारियां बढ़ा रहा है। अमेरिकी संसद की हाउस एप्रोप्रिएशंस सबकमेटी के सामने बोलते हुए रुबियो ने कहा कि एक ही देश में इतने महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी प्रोसेसिंग क्षमता का केंद्रित होना अमेरिका ही नहीं, बल्कि यूरोप और एशिया के सहयोगी देशों के लिए भी बड़ी रणनीतिक कमजोरी है। उन्होंने कहा कर्ा? यह दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है और सच कहूं तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है कि किसी भी जरूरी चीज के लिए 90 प्रतिशत तक एक ही देश पर निर्भर रहना पड़े। चाहे वह आपकी इंडस्ट्रियल बेस हो, डिफेंस सिस्टम हो या टेक्नोलॉजी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ट्रंप प्रशासन अपनी आर्थिक और विदेश नीति में 'क्रिटिकल मिनरल्स' को बहुत अहम जगह दे रहा है।

ट्रंप का बड़ा दावा-सप्ताह के अंत तक हो सकता है ईरान से समझौता, परमाणु सामग्री भी होगी नष्ट

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर हो जाते हैं, तो होर्मुज स्ट्रेट तुरंत को खोल दिया जाएगा। उनके इस बयान को ईरान के साथ चल रही बातचीत में प्रगति का संकेत माना जा रहा है। ट्रंप ने यह बात (स्थानीय समयानुसार) व्हाइट हाउस में कही। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार हाल की सैन्य झड़पों और कूटनीतिक बातचीत के बाद ईरान के साथ एक नया समझौता करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, 'समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होते ही होर्मुज स्?ट्रेट खुल जाएगा और बहुत जल्दी खुल जाएगा।' ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने पहले ही इस क्षेत्र में बारूदी सुरंगें (माइंस) हटाने की व्यवस्था कर दी है और ज्यादातर संदिग्ध सुरंगों को साफ कर दिया गया है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। यह फारस की खाड़ी को अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों से जोड़ता है। दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इसलिए यहां किसी भी तरह की रुकावट कई देशों के लिए चिंता का विषय बन जाती है, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही है और आने वाले कुछ दिनों में समझौता हो सकता है। जब उनसे पूछा गया कि समझौता कब तक हो सकता है तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर यह होता है तो शायद इसी सप्ताह के अंत तक हो सकता है।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार दोहराया कि इस पूरी बातचीत का सबसे बड़ा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार न बना सके। उन्होंने कहा है कि 'हम परमाणु हथियार या बम नहीं रखेंगे। हम इसे विकसित नहीं करेंगे और न ही खरीदेंगे।' ट्रंप के अनुसार, यही वह मुख्य वादा है जो अमेरिका ईरान से इस समझौते के तहत चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारे समझौते के तहत ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं रख पाएगा। अपने एक महत्वपूर्ण बयान में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान मिलकर ईरान के परमाणु स्थलों पर बची हुई परमाणु-संबंधी सामग्री को हटाने और नष्ट करने का काम कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, 'फिलहाल स्थिति यह है कि हम वहां जल्द ही जाएंगे। इस समय यह तय हो चुका है कि हम उनके साथ मिलकर वहां जाएंगे, उस सामग्री को हासिल करेंगे और उसे नष्ट कर देंगे। उसे पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि बी-2 बॉम्बर्स ने ऐसा काम किया है जैसा शायद किसी ने पहले कभी नहीं देखा होगा। ट्रंप ने दावा किया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई परमाणु सामग्री बची भी है, तो उसे ढूंढना और वहां तक पहुंचना आसान नहीं होगा, लेकिन फिर भी वह चाहते हैं कि भविष्य के किसी समझौते के तहत उसे हटाकर नष्ट कर दिया जाए। हालांकि ट्रंप ने माना कि दोनों देशों के बीच तनाव अभी काफी ज्यादा है, लेकिन उनका कहना था कि हाल की घटनाओं और जवाबी कार्रवाइयों से बातचीत की प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक ऐसे कूटनीतिक संपर्क का भी खुलासा किया जिसे उन्होंने अभूतपूर्व बताया। यह संपर्क ईरान समर्थित लेबनानी संगठन हिज्बुल्लाह से जुड़ा था। ट्रंप ने कहा कि हमने पहली बार हिज्बुल्लाह से बात की है। उन्होंने कल सहमति दी कि वे गोलीबारी नहीं करेंगे और इजरायल भी गोलीबारी नहीं करेगा। अब हम देखेंगे कि आगे क्या होता है।

स्थानीय समाचार

उपायुक्त शहजाद आलम ने मुहर्रम-उल-हराम की तैयारियों की समीक्षा की

कुलगाम, 04 जून (हि.स.)। कुलगाम के उपायुक्त शहजाद आलम ने आज यहां मिनी-सचिवालय में आगामी पवित्र महीने मुहर्रम-उल-हराम की तैयारियों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की बैठक बुलाई। डीसी ने पीडीडी और पीएचई के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पवित्र दिनों के दौरान विशेष रूप से जिले के शिया बहुल क्षेत्रों में बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। पीएचई अधिकारियों को इमाम बारों पर टैंकर सेवा उपलब्ध रखने के लिए कहा गया जबकि पीडीडी अधिकारियों को इमाम बारों के पास जेनरेटर लगाने का निर्देश दिया गया। सीए एवं पीडी अधिकारियों को शिया बहुल क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया जबकि स्वास्थ्य अधिकारियों को जिले के इमाम बारों के पास प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित करने और एम्बुलेंस सेवा को तैयार रखने का निर्देश दिया गया। आर एंड बी अधिकारियों को सभी सड़कों, विशेष रूप से इमाम बारों की ओर जाने वाली सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिले की नगर समितियों के अधिकारियों को इमाम बारों के अंदर और आसपास स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। बैठक में एडीसी, जेडी-प्लानिंग, अतिरिक्त एसपी, एसीडी, पीडीडी, पीएचई, स्वास्थ्य, नगर पालिका, राजस्व, सीए एंड पीडी और अन्य विभागों के अधिकारियों के अलावा पहलू और शिया समुदाय के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

सूचना एवं सेवाध्यक्ष वी.के. बर्डी ने डीआईजी राजीव पांडे और गांदरबल के एसएसपी सुधांशु धामा के साथ बालटाल बेस कैंप का किया दौरा

श्रीनगर, 04 जून (हि.स.)। आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 की तैयारियों के मद्देनजर कश्मीर के सूचना एवं सेवाध्यक्ष वी.के. बर्डी, मध्य कश्मीर रेंज के डीआईजी राजीव पांडे और गांदरबल के एसएसपी सुधांशु धामा के साथ बालटाल बेस कैंप का दौरा किया। उन्होंने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए किए जा रहे सुरक्षा और रसद संबंधी इंतजामों की समीक्षा की।

दौरे के दौरान अधिकारियों ने यात्रा ड्यूटी पर तैनात जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों के लिए स्थापित विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बेस कैंप में सुरक्षा ढांचे, आवास, संचार सुविधाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारियों का आकलन किया।

कश्मीर के सूचना एवं सेवाध्यक्ष ने सुरक्षित, सुगम और बाधारहित तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

संबंधित अधिकारियों को उच्चतम स्तर की तैयारियों को बनाए रखने और यात्रा शुरू होने से काफी पहले सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश जारी किए गए। पुलिस श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के सुचारू संचालन और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुरुकुल की गतिविधियों और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने के प्रयासों की दी जानकारी

जम्मू, 04 जून (हि.स.)। महर्षि दयानंद गौशाला एवं गुरुकुल के मुख्य संरक्षक चंदन दत्ता ने जम्मू के उपायुक्त राकेश मिन्हास से मुलाकात कर गुरुकुल द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुकुल में भावी पीढ़ी को वैदिक शिक्षा प्रदान करने, संस्कृत भाषा एवं वेदों के अध्ययन को बढ़ावा देने तथा भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। चंदन दत्ता ने उपायुक्त को बताया कि वर्तमान में गुरुकुल में 31 ब्रह्मचारी विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ये विद्यार्थी जम्मू के मुठी स्थित सरकारी हाई स्कूल से आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जबकि शाम के समय शास्त्रियों

एवं आचार्यों से संस्कृत भाषा तथा वेदों का अध्ययन करते हैं।

उपायुक्त राकेश मिन्हास ने युवाओं को वैदिक शिक्षा से जोड़ने और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को संरक्षित रखने के लिए गुरुकुल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने निकट भविष्य में गुरुकुल का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का स्वयं अवलोकन करने का आश्वासन भी दिया।

पर्यटन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाएं : मुख्यमंत्री योगी

नीम करोली बाबा सर्किट तथा बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट का होगा विकास

ज्ञान भारतम् मिशन से संरक्षित होगी भारत की प्राचीन ज्ञान-संपदा- मुख्यमंत्री*

***पर्यटन नीति में बदलाव को मुख्यमंत्री की सहमति, 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन तथा वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को मिलेगा बढ़ावा**

नैमिषारण्य को वैदिक ज्ञान, योग, आयुर्वेद और वेलनेस के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के हों प्रयास - मुख्यमंत्री

विंध्याचल में त्रिकोण परिक्रमा क्षेत्र का होगा समग्र विकास, बोले मुख्यमंत्री, शक्तिपीठों के निकट माता सती की पौराणिक कथा का प्रभावी एवं आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया जाए

***लखनऊ, 04 जून।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है। पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। बैठक में अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई।पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट तथा बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई। साथ ही 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन तथा वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे।मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव लोकार्पित 'नौसेना शौर्य वाटिका' और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि इसका संचालन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय में भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा, नौवहन परंपरा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक, इंटरैक्टिव गैलरियों, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना तथा विविध अनुभवात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को और सशक्त करेगी।

आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व है। संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा आगमन, औरंगजेब के दरबार में उनके अदम्य साहस, आगरा से ऐतिहासिक प्रस्थान, राज्याभिषेक, सैन्य नेतृत्व, हिंदवी स्वराज्य, किलों के विकास तथा सुशासन की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संग्रहालय में मराठा साम्राज्य और उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संबंधों, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनरुद्धार में अहिल्याबाई होल्कर की भूमिका, तीर्थस्थलों के संरक्षण, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों, ब्रज की संस्कृति को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

नैमिषारण्य के समग्र विकास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की वैदिक ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। इसके विकास में धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि समग्र मास्टर प्लान के अंतर्गत वेद विज्ञान केंद्र, वेदारण्यम वेलनेस एवं वैदिक थीम पार्क, राजघाट रिवरफ्रंट, व्यास गद्दी, सूत गद्दी, हनुमानगढ़ी, देवदेवेश्वर एवं रुद्रावत मंदिर परिसर, नैमिष हाट, तीर्थयात्री आवास, इंटरप्रिटेशन सेंटर तथा आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है। यह भी बताया गया कि इंटरप्रिटेशन सेंटर में वेदों की जन्मस्थली के रूप में नैमिषारण्य की अवधारणा, प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर शो, दशावतार विजुअलाइजेशन तथा पारंपरिक ग्राम्य जीवन के अनुभव को प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कार्ययोजना को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाए।

मिर्जापुर-विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार किए जा रहे इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मां विंध्यवासिनी धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और इसकी विकास योजना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। बैठक में त्रिकोण परिक्रमा क्षेत्र के विकास पर भी चर्चा हुई। यह भी बताया गया कि वर्ष 2050 तक संभावित श्रद्धालु संख्या को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के शक्तिपीठों के निकट माता सती की पौराणिक कथा का प्रभावी एवं आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया जाए तथा इसके लिए निजी क्षेत्र के सहयोग की संभावनाओं का भी उपयोग किया जाए।

सांसद ढेसी ने ब्रिटेन में हत्या मामले के बाद सिखों को निशाना बनाने पर कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियों की कड़ी आलोचना की

संसद में ब्रिटिश गृह मंत्री ने सिखों के धार्मिक ककार के रूप में कृपाण धारण करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग को पूरी तरह खारिज किया

चंडीगढ़, 4 जून 2026। विक्रम सिंह दिगवा द्वारा हेनरी नोवाक की हत्या किए जाने के मामले के बाद ब्रिटेन के सिख सांसदों ने निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में हुई बहस के दौरान सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उनके धार्मिक ककारों की रक्षा के पक्ष में मजबूती से अपनी बात रखी। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब इस मामले को अनावश्यक रूप से तूल देते हुए कुछ कट्टर दक्षिणपंथी संगठनों ने सिखों द्वारा धारण किए जाने वाले धार्मिक ककार 'कृपाण' पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई जबकि इस अपराध में वास्तव में कृपाण का प्रयोग हुआ ही नहीं था। हत्या में प्रयुक्त हथियार 'पेश-कब्ज़' था जो इंडो-फ़ारसी शैली का एक घातक चाकू है जिसे सुरक्षा कवच को भेदने के उद्देश्य से बनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह बहस उस समय हुई जब 23 वर्षीय विक्रम दिगवा को 18 वर्षीय छात्र हेनरी नोवाक की चाकू मारकर हत्या करने का दोषी ठहराए जाने के बाद अदालत द्वारा

आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।लेबर पार्टी के सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी तथा अन्य सिख सांसदों ने इस बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए रिफॉर्म यूके और रिस्टोर ब्रिटेन पार्टियों की सीधे तौर पर आलोचना की। ढेसी ने कहा कि ये दोनों पार्टियां एक हिंसक अपराधी की हरकत के आधार पर पूरे सिख जगत को बलि का बकरा बना रही हैं और बिना किसी आधार के दोषी ठहरा रही हैं। ढेसी ने सदन को याद दिलाया कि दोनों विश्व युद्धों के दौरान लाखों सिख सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के साथ मिलकर वीरता से युद्ध लड़े थे तथा वे अपनी पगड़ी और कृपाण धारण करके युद्धभूमि में उतरे थे। उन्होंने गृह मंत्री शबाना महमूद से सिखों को यह आश्वासन देने की अपील की कि वे अपनी आस्था का स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से पालन कर सकेंगे। ढेसी ने कहा कि ऐसी गलत कार्रवाई को किसी भी प्रकार धार्मिक आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता और इस विचार से पूरा सिख जगत सहमत है। हाउस ऑफ कॉमन्स को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने स्वीकार किया कि कुछ कट्टर दक्षिणपंथी समूहों ने सिखों द्वारा कृपाण धारण करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कृपाण को सिख धर्म के पाँच पवित्र ककारों में से एक बताया। गृह मंत्री ने वर्ष 2019 के 'ऑफेंसिव वेपन्स एक्ट' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कानून ने लंबी कृपाण से संबंधित पहले से उपलब्ध कानूनी सुरक्षा को स्पष्ट और अधिक मजबूत बनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार किसी एक व्यक्ति के अपराध के लिए पूरे सिखों को दंडित करने के पक्ष में नहीं है। गृह मंत्री ने कहा, 卐हम इस देश में सामूहिक दंड की अवधारणा में बिल्कुल विश्वास नहीं रखते। इसके बजाय हम इस भयावह और दुष्टतापूर्ण घटना के विरुद्ध एकजुट हैं। हम इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले की निंदा करते हैं, न कि उन सभी लोगों की जो उसके धर्म या नस्ली पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। महमूद ने यह भी कहा कि इस हत्या की घटना का उपयोग समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के साधन के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि किसी एक व्यक्ति के घृणित अपराध के लिए पूरे सिख जगत को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। इस बहस ने ब्रिटेन तथा विश्वभर में सिख क़ौम का व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं ने एक स्वर में न केवल इस हत्या की निंदा की है बल्कि उन राजनीतिक प्रयासों की भी कड़ी आलोचना की है जिनके माध्यम से सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा पर प्रतिबंध लगाने का आधार तैयार करने की अनुचित कोशिश की जा रही है।

रंगयुग ने शुरू किया समर इंटर्नशिप प्रोग्राम-2026 का तीसरा संस्करण

जम्मू, 04 जून (हि.स.)। युवा सशक्तिकरण और परफॉर्मिंग आर्ट्स को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए रंगयुग परफॉर्मिंग आर्ट्स फाउंडेशन ने गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन (जीसीडब्ल्यू), परेड ग्राउंड तथा पद्मश्री पद्मा सचदेव गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन, गांधी नगर की छात्राओं के लिए समर इंटर्नशिप प्रोग्राम (एसआईपी)-2026 के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया। 60 घंटे की इस विशेष इंटर्नशिप को छात्राओं की रचनात्मकता को निखारने, संवाद कौशल विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत थिएटर, संगीत, नृत्य, रचनात्मक लेखन, वॉयस एवं स्पीच, योग, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य कला आधारित शिक्षा के माध्यम से छात्राओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे विकसित करने का अवसर प्रदान करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन, परेड ग्राउंड के प्राचार्य डॉ. नवीन आनंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. सीमा, प्रो. विशाल, संगीत विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कालोत्रा, प्रो. चाणक्य, इंजीनियर एस. अमरजीत सिंह, पंकज प्रधान, राज कुमार बहरूपिया, आशीष शर्मा सहित दोनों कॉलेजों के वरिष्ठ शिक्षकों और बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया।

पौनी चक्क में 63 लाख रूपये की सिंचाई परियोजना का शुभारंभ, किसानों को मिलेगा लाभ

जम्मू, 04 जून (हि.स.)। जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने वार्ड नंबर 32, पौनी चक्क में 63 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली फील्ड चैनल एक्सटेंशन परियोजना का उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण सिंचाई अवसंरचना परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में जल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना और किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और किसानों की आजीविका में सुधार के लिए सिंचाई अवसंरचना का

विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें विश्वसनीय सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना कृषि भूमि तक पानी की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगी, जल की बर्बादी को कम करेगी तथा फसल उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि अवसंरचना को मजबूत करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र की सिंचाई संबंधी समस्याओं का समाधान होगा और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।

गुप्ता ने यह भी आश्वासन दिया कि जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में सड़क संपर्क, जलापूर्ति, ड्रेनेज और अन्य नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई विकास परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

जम्मू-कश्मीर विद्युत विकास विभाग ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की

श्रीनगर, 04 जून (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर विद्युत विकास विभाग ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आरटीएस अनुप्रयोगों, स्थापनाओं और निरीक्षणों के लिए मई 2026 माह में देश भर में दूसरा स्थान (प्रथम उपविजेता) प्राप्त किया है।

यह पुरस्कार भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम 卐प्रधानमंत्री सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के 2 वर्ष卐 के दौरान प्रदान किया गया।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की ओर से यह पुरस्कार कश्मीर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महमूद अहमद शाह ने ग्रहण किया। यह प्रतिष्ठित सम्मान जम्मू-कश्मीर विद्युत विकास विभाग, डिस्कॉम (केपीडीसीएल और जेपीडीसीएल), फील्ड अधिकारियों, जिला प्रशासन, सूचीबद्ध विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के सामूहिक प्रयासों को दर्शाता है जिन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत सरकार की प्रमुख पीएम सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना का लक्ष्य अप्रैल 2024 से मार्च 2027 तक तीन साल की अवधि में देश भर के एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम उपलब्ध कराना है। राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है और अब तक 33,57,505 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में हालांकि योजना को थोड़ी देर से गति मिली और जमीनी स्तर पर इसका कार्यान्वयन जुलाई 2024 में शुरू हुआ लेकिन लॉन्च के बाद से रूफटॉप सोलर को अपनाने में लगातार वृद्धि देखी गई है। जनता की बढ़ती प्रतिक्रिया नवीकरणीय ऊर्जा के लाभों के प्रति बढ़ती जागरूकता और योजना के तहत उपलब्ध वित्तीय प्रोत्साहनों के आकर्षण को दर्शाती है। आज तक जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रीय पोर्टल पर कुल 98,601 आवेदन पंजीकृत किए गए हैं जिनमें जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के तहत 29,402 आवेदन और कश्मीर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के तहत 69,184 आवेदन शामिल हैं। इन पंजीकरणों के आधार पर 33,987 रूफटॉप सौर पैनल सफलतापूर्वक चालू किए गए हैं जिनमें जम्मू क्षेत्र में 12,730 और कश्मीर क्षेत्र में 21,255 पैनल शामिल हैं। रूफटॉप सौर प्रणालियों के बढ़ते उपयोग के परिणामस्वरूप केंद्र शासित प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 121.61 मेगावाट की वृद्धि हुई है जिसमें जेपीडीसीएल का योगदान 44.68 मेगावाट और केपीडीसीएल का 76.92 मेगावाट है। इस महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि से पारंपरिक बिजली स्रोतों पर निर्भरता कम करने और उपभोक्ता स्तर पर सतत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर में लाभार्थियों को सीधे तौर पर 258.18 करोड़ की संचयी केंद्रीय सब्सिडी वितरित की जा चुकी है और इसके अतिरिक्त 10 करोड़ की केंद्र शासित प्रदेश सब्सिडी भी दी गई है।

नशे के खिलाफ एकजुट- बारिश के बीच हजारों लोगों ने निकाली जागरुकता रैली

आमिर इकबाल खान

भद्रवाह, 4 जून। नशा मुक्त अभियान और सांप्रदायिक सौहार्द के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को भद्रवाह में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। अचानक हुई बारिश के बावजूद हजारों विद्यार्थियों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लेकर नशे के खिलाफ संघर्ष तथा आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन व्यापार मंडल भद्रवाह और यूथ एक्शन कमेटी भद्रवाह (एनजीओ) द्वारा जिला प्रशासन डोडा, नागरिक प्रशासन भद्रवाह, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया।

रैली को सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय (बालक) भद्रवाह के मुख्य द्वार से मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डोडा कार्तिक ने अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल विशाल जनसमूह नगर के निर्धारित मार्गों से होकर गुजरा और नशे को कहें ना卐 जैसे जागरूकता नारों के साथ लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। रैली के माध्यम से क्षेत्र में बढ़ती नशाखोरी के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने तथा सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने का सशक्त संदेश दिया गया। आयोजन समिति के एक प्रतिनिधि ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भारी भागीदारी यह स्पष्ट करती है कि भद्रवाह नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ पूरी तरह एकजुट है और यहां की भाईचारे की परंपरा अटूट बनी हुई है। रैली के उपरांत सभी प्रतिभागी ऐतिहासिक सेरी बाजार पार्क में एकत्र हुए। बारिश होने के बावजूद लोगों का

उत्साह कम नहीं हुआ और कार्यक्रम पूरे जोश के साथ जारी रहा। इस दौरान व्यापार मंडल भद्रवाह की ओर से उपस्थित अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण नशा मुक्ति और सांप्रदायिक सौहार्द की शपथ दिलाना रहा। एसएसपी डोडा कार्तिक ने शपथ का वाचन किया, जिसे उपस्थित हजारों लोगों ने दोहराते हुए समाज को नशामुक्त बनाने और आपसी सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सनातन धर्म सभा भद्रवाह के पूर्व प्रधान, अंजुमन इस्लामिया भद्रवाह के अध्यक्ष, ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसाइटी (एआईपीडब्ल्यूएस) के प्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट तथा विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।